दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-41 | सीहोर, शनिवार 28 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विविध-समाचार

भीषण सड़क हादसा

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मचाई तबाही, 5 लोगों की मौत; 4 घायल

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में थाटीपुर स्थित जैन मंदिर के पास बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना रात करीब 3 बजे बस स्टैंड के पास हुई। पुलिस के अनुसार, स्कॉर्पियो चला रहा ड्राइवर पहले बस स्टैंड के पास एक वाहन से टकराया। इसके बाद उसने नियंत्रण खो दिया और जैन मंदिर के नजदीक एक ऑटो रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में इंद्रजीत शाक्य (55), लीला (52), शुभम (30), प्रीति कश्यप (60) और शगुन की मौत हो गई। वहीं, प्रीति (20), प्रियांश (5), आरव (6) और एक अज्ञात व्यक्ति घायल हो गए हैं। सभी घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा, खामेनेई के पोस्टर लहराए; विधायकों में हुई धक्का-मुक्की

श्रीनगर ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर हंगामा देखने को मिला। नेशनल कॉन्फ्रेंस के कुछ नेता उनकी तस्वीर लेकर सदन में पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान खामेनेई के पोस्टर भी लहराए गए।सदन में इसी बीच कांग्रेस और भाजपा विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई, जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि विवाद भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी के बाद शुरू हुआ।

जमानत पर छूटकर धमकी देने वालों की जमानत कराएं निरस्त : सीएम योगी

गोरखपुर,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमानत पर छूटकर वादी को धमकाने वाले अभियुक्तों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उनकी जमानत निरस्त कराई जाए। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन परिसर के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से आए करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों ने दबंगों द्वारा डराने-धमकाने की शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव हर व्यक्ति को न्याय मिलना चाहिए और सभी पात्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। साथ ही, जमीन कब्जाने वाले भू-माफियाओं और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने आए लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

रामनवमी पर रामलला का दिव्य सूर्य तिलक, रामनवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

35 लाख श्रद्धालुओं का हुआ आगमन,रामनवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, 35 लाख श्रद्धालुओं का हुआ आगमन

-दोपहर ठीक 12 बजे सूर्य की स्वर्णिम किरणें चार मिनट तक रामलला के ललाट पर रहीं विराजमान

अयोध्या (आरएनएस)। पावन नगरी अयोध्या शुक्रवार को रामनवमी के अवसर पर भक्ति, उल्लास और भव्यता से सराबोर रही। रामलला के जन्म के साथ ही चारों ओर भए प्रगट कृपाला, दीन दयाला की गूंज सुनाई देने लगी। राम नाम का यह नाद केवल कानों को ही नहीं, बल्कि हर भक्त के हृदय को आनंदित कर रहा था। इसी बीच रामलला का सूर्य तिलक करने का दैवीय संयोग हुआ। प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव पर राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला को सूर्य की किरणों से दिव्य 'सूर्य तिलक' लगाया गया। दोपहर ठीक 12 बजे सूर्य की स्वर्णिम किरणें वैज्ञानिक व्यवस्था के माध्यम से गर्भगृह में प्रवेश कर रामलला के मस्तक पर चार मिनट तक विराजमान रहीं। यह दृश्य आस्था और आधुनिक विज्ञान के अद्भुत मिलन का प्रतीक बना। लाखों श्रद्धालु इस ऐतिहासिक पल को प्रत्यक्ष देखने या लाइव प्रसारण के माध्यम से निहारने के लिए रामनगरी पहुंचे। हर तरफ जय जय सियाराम, जय श्री राम के जयकारे गूंजते रहे। यह सूर्य तिलक रामलला के प्रति ईश्वरीय कृपा का प्रतीक बना। भक्तों का मानना है कि यह दृश्य आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभु राम के प्रति

अटूट आस्था का संदेश देगा। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रभु श्रीराम के जन्म पर देश व प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दीं और सोशल मीडिया पर भावपूर्ण संदेश साझा किया। रामनवमी पर राम जन्मभूमि मंदिर को फूलों, रोशनी और रंग-बिरंगी लड़ियों से सजाया गया था। सुबह से ही मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और आरती का सिलसिला चल रहा था। रामलला का अभिषेक किया गया। दोपहर 12 बजे प्रकट उत्सव के बाद सूर्य तिलक का मुख्य कार्यक्रम हुआ। बेंगलुरु के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस प्रणाली में सूर्य की किरणों को सटीक रूप से निर्देशित किया जाता है, ताकि ठीक दोपहर 12 बजे रामलला के दिव्य भाल पर स्वर्णिम तिलक अंकित हो सके। यह परंपरा हर वर्ष रामनवमी पर दोहराई जाती है और यह भारत की प्राचीन ज्योतिषीय एवं वास्तु विद्या के साथ आधुनिक ऑप्टिकल साइंस का संगम दर्शाती है।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। अनुमान है कि पूरे दिन लाखों भक्त रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे। राम पथ, सरयू घाट और आसपास के क्षेत्रों में भक्तों का सैलाब दिखाई दिया। जगह-जगह भंडारे लगाए गए, जहां मथुरा से आई लगभग 5 क्विंटल पंजीरी और लड्डू प्रसाद के रूप में वितरित किए गए। रामलला को 56 प्रकार के भोग अर्पित किए गए। दशरथ महल, कनक भवन, हनुमान गढ़ी सहित अयोध्या के हजारों मंदिरों में भी राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। करीब 8,000 मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, कीर्तन और सत्संग का आयोजन हुआ।

उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। अयोध्या को कई जोनों और सेक्टरों में बांटा गया। ट्रैफिक प्लान लागू किया गया, ड्रोन निगरानी, एंटी-ड्रोन सिस्टम और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

राजस्थान से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार; सोशल मीडिया के जरिए भेजता था फोटो और वीडियो; आतंकी शहजाद भट्टी से भी संबंध

श्रीगंगानगर(आरएनएस)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक लंबे समय से पाकिस्तान स्थित आतंकी शहजाद भट्टी के संपर्क में था। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह बराड़ के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान आकाशदीप (19) पुत्र पीरा सिंह, के रूप में हुई है, जो केसरीसिंहपुर का निवासी है और वर्तमान में चक केरा में रह रहा था। आरोपी आकाशदीप लंबे समय से पाकिस्तान स्थित आतंकी शहजाद भट्टी के संपर्क में था। वह इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लगातार उससे बातचीत कर रहा था।

उन्होंने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने आतंकी के निर्देश पर कई संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले स्थानों की रेकी की और उनके वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेजता था और उसके एवज में राशि लिया करता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रियलमी कंपनी का एक मोबाइल फोन जब्त किया है, जिसमें संदिग्ध गतिविधियों के कई सबूत मिले हैं। मोबाइल की जांच में पाया गया कि आरोपी की इंस्टाग्राम आईडी थी। आरोपी आकाशदीप आईडी के जरिए भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच वॉइस चैट और सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा था।

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिंहस्थ में आने वाले अनुमानित 40 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए की जा रही हैं तैयारियां

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है। जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लाड़ली बहना योजना में हमारी 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहने हैं। इनके हित में हम हर महीने 1500-1500 रुपये खाते में डाल रहे हैं। किसानों को किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं। भारत सरकार के वित्तीय व्यवस्था के जो उच्चतम मापदंड है उसके दायरे में रहकर हम अपनी आय-व्यय को विनियमित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस पद की गरिमा का पतन कर दिया है।

पूरक मतदाता सूची को लेकर ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

कोलकाता(ए.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूरक मतदाता सूची जारी नहीं करने को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए और पूछा कि आखिर क्या छिपाया जा रहा है। शुक्रवार को उन्होंने आयोग को चुनौती देते हुए कहा कि सूची तुरंत सार्वजनिक की जाए और पत्रकारों को भी उपलब्ध कराई जाए। पश्चिम बर्धमान जिले के पांडवेश्वर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पूरक सूची अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? मैंने सड़क से लेकर उच्चतम न्यायालय तक इस सूची के लिए लड़ाई लड़ी है। किसी भी राजनीतिक पार्टी को यह सूची नहीं दी गई है। आखिर क्या छिपाया जा रहा है?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी के अवसर पर गोरखपुर में श्री गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया.

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी के बावजूद उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली,(ए.)। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसका वास्तविक लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच रहा है।

पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भले ही सुर्खियों में कीमतें घटने की बात कही जा रही हो, लेकिन आम उपभोक्ताओं और डीलरों के लिए दरें लगभग जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार ने केवल 'विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क' में कमी की है, जो तेल विपणन कंपनियां सरकार को अदा करती हैं। उनके अनुसार, इस कदम का सीधा फायदा जनता तक नहीं पहुंचा है।

मध्य प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम, अगले 24 घंटों में 7 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, 3 दिन तक रहेगा असर

भोपाल(निप्र.)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती सिस्टम के सक्रिय होने से आज शुक्रवार से प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। अगले 24 घंटों में ग्वालियर समेत 7 जिलों में तेज हवाओं और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, यह स्थिति 30 मार्च तक बनी रह सकती है। प्रदेश के ऊपरी हिस्से में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जबकि पश्चिमी क्षेत्र में दो चक्रवाती परिसंचरण सिस्टम बने हुए हैं। इनके प्रभाव से ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। यहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की भी संभावना जताई गई है। इसके अलावा भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत करीब 28 जिलों में भी 30 मार्च तक बारिश होने के आसार हैं। 28 मार्च को कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है, जबकि 30 मार्च को मौसम का असर सबसे ज्यादा देखने को मिलेगा।बारिश से पहले प्रदेश में गर्मी ने भी तेवर दिखाए।

भाजपा लोकतंत्र नहीं मानती, 2027 में सपा बनाएगी सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती बल्कि एकतंत्र की सोच पर काम करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान नहीं बल्कि मनमाने तरीके से शासन चलाना चाहती है और कम्युनल एजेंडे के तहत कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने देश की आर्थिक और विदेश नीति को नुकसान पहुंचाया है, जिससे जनता के बीच उसकी वास्तविकता उजागर हो चुकी है और आने वाले समय में भाजपा के नेता खुद ही हार की ओर बढ़ रहे हैं।

ईंधन संकटः वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं- महंगाई से राहत के लिए कदम, घबराने की जरूरत नहीं

-ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती, लॉकडाउन की खबरों पर सरकार ने लगाया विराम

नई दिल्ली,(ए.)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस फैसले को उपभोक्ताओं के हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है।सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर करीब 10 रुपये प्रति लीटर तक एक्साइज ड्यूटी घटाई है। इसके बाद पेट्रोल पर ड्यूटी घटकर लगभग 3 रुपये प्रति लीटर रह गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है। इस निर्णय से देशभर में बढ़ती महंगाई के दबाव को

कम करने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आपूर्ति बाधित होने और मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसे लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और समय रहते जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी नेतृत्व में सरकार ने ईंधन आपूर्ति को सुरक्षित बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है।साथ ही, उन्होंने देश में लॉकडाउन लगाए जाने की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि ईंधन संकट के कारण किसी भी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है और इस तरह की खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट से बचें।

वित्त मंत्री ने कुछ नेताओं के लॉकडाउन संबंधी बयानों पर भी आपत्ति जताई और उन्हें गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उनका कहना था कि ऐसे बयान मौजूदा परिस्थितियों में अनावश्यक डर पैदा करते हैं।

दिवंगत के परिजन को संबल योजना से भी दिये जायेंगे 4-4 लाख रुपये : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन से मिल कर दी सांत्वना

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की 4 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और नि:शुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम करेर तहसील मोहखेड़ की श्रीमती सिया पति श्री कृष्णा इनवाती, रामदास पिता सुकलू पराने, दौलत पवार, श्रीमती भागवती पति दान सिंह और श्रीमती शकुन पत्नी लखीचन्द्र यादव के निवास जाकर मुलाकात की। ग्राम करेर में प्रभावित परिवारों से

मिलने के बाद मुख्यमंत्री ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के सदस्यों से चर्चा कर कहा कि दुख की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार आपके साथ है। आपको हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

जिला अस्पताल में उपचाररत घायलों के जाने हाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में गुरूवार को हुई सड़क दुर्घटना के घायल व्यक्तियों से भेंट की और उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सकों को सभी घायलों की समुचित चिकित्सा के निर्देश दिए। उन्होंने अब तक किए गए उपचार की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर घायलों को नागपुर अथवा अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार घायलों के नि:शुल्क उपचार के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्य जगह रेफर किए जाने की स्थिति में भी राज्य सरकार पूर्ण सहयोग करेगी।

घायलों का सहयोग करने वाले जवानों को किया जायेगा पुरस्कृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिला प्रशासन, नागरिकों और पुलिस बल के उन जवानों की सराहना की, जिन्होंने दुर्घटना के बाद सभी स्थितियों को कुशलतापूर्वक सम्हाला। उन्होंने उन पुलिस जवानों को पुरस्कृत करने की घोषणा की, जिन्होंने घायलों की पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से सहायता की।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल के कम्मू का बाग में कुख्यात बदमाश की सरेआम गुंडागर्दी, घर में घुसकर महिला पर की ताबड़तोड़ फायरिंग

भोपाल। राजधानी के ऐशबाग थाना क्षेत्र के कम्मू का बाग इलाके में गुरुवार देर रात एक कुख्यात बदमाश ने घर में घुसकर 50 वर्षीय महिला पर जानलेवा हमला कर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। महिला बाल-बाल बच गई, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घर में घुसकर चलाई गोलीपुलिस के अनुसार कम्मू का बाग निवासी रिहाना (50) रात करीब 11 बजे घर पर थीं। तभी क्षेत्र का बदमाश Danish Ali वहां पहुंचा और उनके बेटे के बारे में पूछताछ करने लगा। महिला द्वारा बेटे के घर पर नहीं होने की बात कहने पर आरोपी ने गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए फायरिंग कर दी।

तीन राउंड फायर, दीवार में लगी गोली

पहली गोली से बचने के लिए महिला झुक गईं, जिससे गोली उनके ऊपर से निकल गई। इसके बाद आरोपी ने दूसरी गोली चलाई, जो दीवार में जा लगी। फिर एक राउंड हवा में फायर कर आरोपी हथियार लहराते हुए फरार हो गया

अब वाराणसी में गूंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में होगा महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

भोपाल, (निप्र.)। मध्यप्रदेश में मोहन सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गौरवमयी अभियान विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत, मोक्षदायिनी नगरी वाराणसी में आगामी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भव्य महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष रुचि और दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई यह सांस्कृतिक यात्रा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुँच रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य केवल एक शासक नहीं, बल्कि भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक हैं। वाराणसी में होने वाला यह महानाट्य जन-जन को उस वैभवशाली कालखंड से परिचित कराएगा। जब सम्राट विक्रमादित्य ने आज से लगभग 2100 वर्ष पूर्व आक्रांता शकों का समूल नाश कर विक्रम संवत का प्रवर्तन किया था, यह संवत विश्व की प्राचीनतम काल-गणनाओं में से एक है, जो भारतीय विज्ञान और खगोल शास्त्र की श्रेष्ठता को दर्शाता है।

अद्वितीय शौर्य और न्याय का चित्रण

वाराणसी में होने वाली तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के शकारि और साहसांक बनने की गाथा को जीवंत किया जाएगा। नाटक में दिखाया जाएगा कि कैसे एक लोक-कल्याणकारी राजा ने अपने राजकोष से धन देकर प्रजा को ऋणमुक्त किया और एक ऐसा साम्राज्य स्थापित किया जहाँ न कोई दरिद्र था और न ही कोई दुखी। साथ ही, सम्राट की नवरत्न परंपरा—जिसमें कालिदास, वराहमिहिर और धन्वंतरि जैसे महान विद्वान शामिल थे—के माध्यम से श्रेष्ठ भारत के निर्माण के संकल्प को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। दिल्ली के लाल किले पर सफल मंचन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसकी सराहना के बाद, वाराणसी का यह मंचन एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

एम्स के सामने निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिरा, मलबे में दबने से आठ लोग घायल

भोपाल(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एम्स अस्पताल के सामने शुक्रवार दोपहर में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। हादसे में नीचे खड़े आठ लोग मलबे में दबने से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, भोपाल में एम्स के सामने सडाना मेडिकल स्टोर की चार मंजिला इमारत बन रही है। नीचे मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा था। एम्स में आए मरीज और उनके परिजन दवाई लेने के लिए यहां पहुंचे थे, इस दौरान निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। इस हादसे में आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। हालांकि, उनमें से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि पांच मरीज अभी भी भर्ती हैं। इनमें 23 साल की नंदिनी नामक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें एम्स भोपाल के ट्रॉमा ब्लॉक के रेड ट्रायज में भर्ती किया गया है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डिंग का कुछ हिस्सा अवैध है और नगर निगम को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। करीब 35 साल पुराना भवन है। यहां मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है। इसके ठीक ऊपर तीन मंजिल का और निर्माण चल रहा है। जो सेटिंग, छज्जा गिरा है,वो काफी बाहर निकला हुआ था। यह शेड के ऊपर गिरा है। इससे शेड भी ढह गया।हादसे के बाद पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेरकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। मलबा हटाने के लिए टीमों को लगाया गया और आसपास की दुकानों को एहतियातन खाली कराया गया। हादसे के बाद नगर निगम भी एक्शन मोड में आ गया है। बिल्डिंग निर्माण के लिए रेत, सरिया सहित अन्य सामग्री सड़क पर रखी गई थी, जिसे नगर निगम की टीम जब्त कर ली है। फिलहाल जिला प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

जौरा सब स्टेशन में उच्च क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा मुरैना जिले की विद्युत व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने के लिए 132 केवी जौरा सब स्टेशन की क्षमता में वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि सब स्टेशन में पूर्व स्थापित 20 एमवीए क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 50 एमवीए क्षमता का नया पॉवर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इससे मुरैना जिले की पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा जौरा क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उचित वोल्टेज पर प्राप्त हो सकेगी। मंत्री श्री तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के औद्योगिक, कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को विशेष लाभ मिलेगा और भविष्य में बढ़ती विद्युत मांग को भी आसानी से पूरा किया जा सकेगा।

इन क्षेत्रों को होगा लाभ

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता राजीव तोतला ने जानकारी दी कि जौरा सब स्टेशन में नए पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से कुम्हेरी, जौरा, सुमावली, सांकरा, सिटी जौरा, चिनौनी, नवोदय तथा बगचिनी सहित आसपास के क्षेत्रों के लगभग 18 हजार विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इनमें औद्योगिक, कृषि एवं घरेलू श्रेणी के उपभोक्ता शामिल हैं।

जिले की ट्रांसफार्मेशन क्षमता में वृद्धि

अधीक्षण अभियंता राजीव ने जानकारी दी कि 20 एमवीए के स्थान पर 50 एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित होने से जौरा सब स्टेशन की कुल क्षमता बढ़कर 113 एमवीए हो गई है। एमपी ट्रांसको मुरैना जिले में 220 केवी के 2 सब स्टेशन (मुरैना एवं सबलगढ़) तथा 132 केवी के 7 सब स्टेशन (मुरैना, बामोर, अम्बाह, बड़ागांव डिमनी, कैलारस, जौरा एवं पोरसा) के माध्यम से विद्युत पारेषण कर रही है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से सासंद वी.डी. शर्मा ने लोकभवन में सौजन्य मुलाकात कर स्मृति चिन्ह स्वरूप श्रीराम लला की प्रतिकृति भेंट की।

मध्य प्रदेश में बिजली दर बढ़ोतरी पर सियासत तेज, जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश में बिजली दरों में प्रस्तावित 4.80 प्रतिशत बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर इस फैसले का कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इसे आम उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला और सरकारी वसूली का मॉडल बताया है। जीतू पटवारी ने अपने पत्र में कहा कि 1 अप्रैल से लागू होने जा रही बिजली दरों में वृद्धि ऐसे समय में की जा रही है, जब जनता पहले ही महंगाई की मार झेल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार यह स्पष्ट क्यों नहीं कर रही कि बढ़ोतरी की मजबूरी क्या है। पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि पिछले एक दशक में प्रदेश में बिजली दरों में 22 से 24 प्रतिशत तक वृद्धि हो चुकी है। घरेलू उपभोक्ताओं के 0-50 यूनिट स्लैब में दर 3.65 रुपये से बढ़कर 4.45 रुपये प्रति यूनिट हो गई है, जो 20 प्रतिशत से अधिक इजाफा है। इसके अलावा, हर महीने फ्यूल प्राइस एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (FPPAS) के नाम पर 3 प्रतिशत से ज्यादा अतिरिक्त बोझ भी उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है।

मुख्यमंत्री से पूछे सवाल

बिजली कंपनियों के घाटे की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती?

हर साल घाटा दिखाकर जनता से वसूली क्यों की जाती है?

क्या कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है?

क्या गरीब, किसान और मध्यम वर्ग सिर्फ बिल भरने के लिए रह गए हैं?

ईवी छूट को बताया 'दिखावा'

राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग पर 20 प्रतिशत छूट के दावे को भी पटवारी ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी ईवी उपभोक्ताओं की संख्या सीमित है, ऐसे में इसका लाभ आम लोगों को नहीं मिल रहा और यह सिर्फ नीतिगत दिखावा है।

भोपाल एयरपोर्ट पर 29 मार्च से लागू होगा समर शेड्यूल, नवीं मुंबई के लिए मिलेगी नई उड़ान, गोवा फ्लाइट होगी बंद

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के राजाभोज विमानतल पर आगामी 27 मार्च को समर सीजन शेड्यूल लागू हो रहा है। इस सीजन में भोपाल को नए शहरों की कनेक्टिविटी के नाम पर केवल नवीं मुंबई तक एक नई उड़ान शुरू हो रही है, जबकि गोवा रूट पर संचालित इंडिगो की उड़ान 29 मार्च से बंद हो जाएगी। राजाभोज विमानतल के निदेशक रामजी अवस्थी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि समर सीजन शेड्यूल के साथ भोपाल से हवाई कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी होने जा रही है। नए शेड्यूल के तहत नवी मुंबई और हैदराबाद के लिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी, जिससे यात्रियों को पहले से अधिक विकल्प मिलेंगे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद भोपाल से कुल 36 उड़ानों (18 जोड़ी) का संचालन होने लगेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मंजूरी मिलने के बाद भोपाल से नया समर सीजन शेड्यूल लागू किया जा रहा है।

एनेस्थीसिया के ओवरडोज से मेल नर्स की मौत, कारणों की जांच जारी

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के भोपाल शहर के भानपुर इलाके में एक मेल नर्स की एनेस्थीसिया के ओवरडोज से मौत हो गई। पुलिस को मौके से इंजेक्शन और सिरिंज बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार, मृ तक दुर्गेश अहिरवार, (26 वर्षीय) मूलत: जिला विदिशा के कुरवाई का निवासी था और भोपाल में रहकर बी-फार्मेसी अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। इसके साथ ही वह एक निजी नर्सिंग होम में कार्यरत था। वह भानपुर स्थित पटेल नगर में किराए के कमरे में रहता था। शुक्रवार सुबह दुर्गेश का बड़ा भाई परीक्षा देने घर से निकल रहा था। इस दौरान उसने दुर्गेश को उठाने की कोशिश की, लेकिन कई बार आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद परिजन उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

भोपाल में कचरे से बनेगा टोरिफाइड चारकोल, प्लांट का ट्रायल रन शुरू

भोपाल,(निप्र.)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट की दिशा में भोपाल नगर निगम ने एक अहम कदम उठाया है। शहर के सूखे कचरे के शत-प्रतिशत निष्पादन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को आदमपुर में स्थापित टोरिफाइड चारकोल प्लांट का ट्रायल रन शुरू कर दिया गया है।नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के सहयोग से स्थापित इस प्लांट के जरिए प्रतिदिन 400 टन सूखे कचरे से टोरिफाइड चारकोल तैयार किया जाएगा। तैयार चारकोल का उपयोग एनटीपीसी अपने कार्यों में करेगा।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने शुक्रवार को प्लांट का निरीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली और क्षमता की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संयंत्र का पूर्ण संचालन जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए।अधिकारियों के अनुसार, इस प्लांट के निर्माण और संचालन के लिए 12 अक्टूबर 2021 को अनुबंध किया गया था। ट्रायल रन के तहत पिछले तीन दिनों में करीब 800 टन सूखा कचरा प्लांट को उपलब्ध कराया गया है, जबकि पूरे ट्रायल के दौरान लगभग 1800 टन कचरे का प्रोसेस किया जाएगा। पीपीपी मॉडल पर करीब 220 करोड़ रुपये की लागत से 15 एकड़ भूमि पर स्थापित यह संयंत्र मध्यप्रदेश का पहला और देश का दूसरा टोरिफाइड चारकोल प्लांट है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले की मोहखेड़ तहसील के ग्राम करेर पहुंच कर छिंदवाड़ा बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से भेंट कर ढाँढस बँधाया।

डीआरएम भोपाल द्वारा वंदे भारत एवं शताब्दी ट्रेनों में फुटप्लेट निरीक्षण

यात्रियों से सीधा संवाद कर यात्री सुविधाओं का लिया फीडबैक

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल पंकज त्यागी ने वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरओ) सचित शर्मा एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर आर. पी. खरे के साथ मंडल में संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान डीआरएम ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से झांसी के मध्य वंदे भारत एक्सप्रेस में फुटप्लेट निरीक्षण किया। यात्रा के दौरान उन्होंने लोको पायलट के साथ संरक्षा मानकों का अवलोकन किया तथा यात्रियों से संवाद कर सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। साथ ही झांसी में रनिंग रूम में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं क्रू को बेहतर सुविधा सुनिश्चित कराने के लिए संबंधित को निर्देश दिए। वापसी यात्रा में डीआरएम ने शताब्दी एक्सप्रेस से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक पुन: फुटप्लेट निरीक्षण किया और परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया। डीआरएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संरक्षा, समयपालन एवं यात्री सुविधाओं के मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया जाए, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण यात्रा अनुभव उपलब्ध हो सके।

माँ के आशीर्वाद से ही सभी कार्य सफल होते हैं : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रानी तालाब मंदिर परिसर में माँ भगवती जागरण कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (ए.)। नवरात्रि के उपलक्ष्य में महा अष्टमी पर गत रात्रि रीवा के रानी तालाब मंदिर परिसर में विशाल माँ भगवती जागरण का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि माँ के आशीर्वाद से ही सभी कार्य सफल होते हैं। हम सभी पर माता का आशीर्वाद बना रहे और हमारा रीवा हर क्षेत्र में नित नई उपलब्धियाँ हासिल करता रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि माँ भगवती के जागरण से देवी माँ प्रसन्न होती हैं। प्रतिवर्ष यह आयोजन होता रहे और माता का आशीर्वाद हमको मिलता रहे। उन्होंने कहा कि इस समय मानवता संकट में है। इस संकट से सिर्फ माँ ही उबार सकती हैं। उन्होंने कहा कि माता के दरबार एवं रानी तालाब के चमकने के साथ ही रीवा भी चमकने लगा है। हम सब की प्रार्थना है कि माँ हमें आशीर्वाद देती रहें और रीवा की चमक बरकरार रहे। उप मुख्यमंत्री ने देवी जागरण में भजन की प्रस्तुति देने वाली गायिका यशस्वी की भावपूर्ण प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

भोपाल होकर संचालित जबलपुर से निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस एलएचबी रैक से चलेगी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं को विस्तारित किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट एवं गुजरने वाली जबलपुर - निजामुद्दीन - जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस ट्रेन के रेक को अब आईसीएफ से एलएचबी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। एलएचबी रैक से संचालित ट्रेन की विस्तृत जानकारी इस प्रकार है:-

प्रारंभिक तिथि से प्रभावी रेलगाड़ियाँ एलएचबी कोच में परिवर्तित:-

1) गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर - निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन जबलपुर से दिनाँक 30 मई 2026 से प्रभावित।

2) गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन - जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन निजामुद्दीन से दिनाँक 31 मई 2026 से प्रभावित।

परिवर्तित एलएचबी कोच कंपोजीशन :- इस ट्रेन में 01 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय, 05 वातानुकूलित तृतीय, 01 वातानुकूलित तृतीय इकॉनमी, 07 स्लीपर, 04 सामान्य श्रेणी, 1 एसएलआरडी एवं 1 जनरेटर कार सहित कुल 22 एलएचबी कोच रहेंगे। उल्लेखनीय है कि एलएचबी कोच पारंपरिक (आईसीएफ) कोचों की तुलना में अधिक आरामदायक एवं सुरक्षित होते हैं। इनमें उच्च गति पर संचालन की क्षमता होती है तथा ये वजन में भी हल्के होते हैं। नए डिज़ाइन में तैयार किए गए ये कोच यात्रियों को अधिक सुखद और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करते हैं।

भोजशाला में चुनरी विवाद : मुस्लिम समाज ने उठाए सुरक्षा पर सवाल, जुमे की नमाज बाद प्रशासन से मिले; ये बातें की

भोजशाला (ए.)। धार की भोजशाला में जुम्मे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज ने चुनरी जुलूस को न रोकने पर सुरक्षा लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने FIR, गार्ड बदलने और केंद्रीय बल तैनाती की मांग करते हुए निष्पक्ष जांच की बात कही। केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन धार की भोजशाला में शुक्रवार को मुस्लिम समाज ने जुम्मे की नमाज अदा की। नमाज के बाद समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सीएसपी सुजवाल जग्गा से मुलाकात कर दो दिन पहले सौंपे गए आवेदन पर कार्रवाई की जानकारी मांगी। समाजजनों ने आरोप लगाया कि भोजशाला परिसर में निकाले गए चुनरी जुलूस को नहीं रोका गया, जो सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही है। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

क्या है मामला ?

दरअसल, चैत्र नवरात्रि के दौरान मंगलवार को हिंदू समाज द्वारा मां वाग्देवी को चुनरी चढ़ाई गई थी। इस मौके पर भोज उत्सव समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद्र जलौदिया, भाजपा अध्यक्ष नीलेश भारती सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

मुरैना में गैस संकट पर बवाल: सिलिंडर नहीं मिला तो सड़क पर उतर गए लोग, हजारों की भीड़ ने कर दिया सड़क जाम

मुरैना (ए.)। मुरैना जिले के सबलगढ़ में गैस सिलिंडर की किल्लत ने शुक्रवार को उग्र रूप ले लिया। गुस्साए उपभोक्ताओं ने नेशनल हाईवे 552 पर चक्का जाम कर दिया। बताया जा रहा है कि वेदमती इंडियन गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली से नाराज लोग घंटों लाइन में लगने के बावजूद सिलिंडर नहीं मिलने से आक्रोशित हो गए। स्थिति बिगड़ने पर उपभोक्ता सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान ह॥-552 पर लंबा जाम लग गया, जिससे राहगीरों और वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

उपभोक्ताओं ने एजेंसी पर गैस वितरण में लापरवाही और पारदर्शिता की कमी के गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि समय पर सिलिंडर उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जबकि कई लोगों को बुकिंग के बावजूद गैस नहीं मिली। गौरतलब है कि संबंधित गैस एजेंसी भाजपा की वरिष्ठ नेता और वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष बसंत बंसल से जुड़ी बताई जा रही है, जिससे मामला और भी चर्चा में आ गया है।

इस बीच प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिसके चलते उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। जिले में एलपीजी गैस का स्टॉक खत्म

सिलिंडर नहीं मिलने पर हाईवे कर दिया जाम

होने के कारण गैस गोदामों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। अंबाह स्थित अपूर्वा गैस एजेंसी गोदाम पर गुरुवार को 1000 से अधिक लोग इकट्ठा हो गए, जबकि केवल 380 सिलिंडर ही उपलब्ध थे। इससे कई उपभोक्ताओं को निराश लौटना पड़ा।

स्थिति तब और बिगड़ गई जब सुबह से इंतजार कर रहे लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और सिलेंडर लूटने की कोशिश की। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एजेंसी संचालक को पुलिस बुलानी पड़ी। उपभोक्ताओं ने गैस वितरण में पारदर्शिता की कमी और अधिक कीमत वसूले जाने के आरोप लगाए हैं, जबकि एजेंसी का कहना है कि उन्हें पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल रही है। फिलहाल इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और उपभोक्ता जल्द से जल्द गैस आपूर्ति सुचारू करने की मांग कर रहे हैं।

स्टार्टअप 'एसी डॉक्टर' को वैश्विक ब्रांड डाइकिन का 'बेस्ट सर्विस पार्टनर' अवॉर्ड

इंदौर (ए.)। इंदौर के युवाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप 'एसी डॉक्टर' ने एयर कंडीशनिंग सर्विस सेक्टर में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वैश्विक एसी ब्रांड डाइकिन ने कंपनी को अपने पहले ही वर्ष के सहयोग में 'बेस्ट सर्विस पार्टनर' अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान स्टार्टअप की कार्यक्षमता, सर्विस क्वालिटी और बेहतर ग्राहक संतुष्टि का प्रमाण है। एसी डॉक्टर की विशिष्टता उनकी पेटेंटेड और इनोवेटिव एसी क्लीनिंग प्रक्रिया है, जिसे कंपनी ने बाकायदा रजिस्टर करवाया है। इन-हाउस प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की टीम के साथ यह स्टार्टअप इंदौर में तेज और टेक्निकली एडवांस्ड सॉल्यूशंस के लिए अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।

स्कॉर्पियो पर BJP का झंडा लगाकर ले जा रहा था शराब, दतिया पुलिस ने किया भंडाफोड़; 58 पेटियां की गई जब्त

दतिया (ए.)। दतिया जिले में अवैध शराब तस्करों के हौसले लगातार बढ़ते नजर आ रहे हैं। आए दिन पुलिस द्वारा बड़ी मात्रा में शराब जब्त की जा रही है। ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला पंडोखर थाना क्षेत्र में सामने आया है, जहां एक तस्कर ने खुद को बचाने के लिए राजनीतिक पहचान का सहारा लेने की कोशिश की।

आरोपी सफेद स्कॉर्पियो वाहन पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) का झंडा लगाकर बेखौफ अंदाज में अवैध देशी शराब की बड़ी खेप लेकर जा रहा था, ताकि रास्ते में किसी को उस पर संदेह न हो। हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते उसकी यह चाल ज्यादा देर तक सफल नहीं हो सकी।

पुलिस के अनुसार, 26-27 मार्च की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक स्कॉर्पियो वाहन में अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सालौन तिराहा पर घेराबंदी कर जांच शुरू की।

कुछ ही देर में संदिग्ध वाहन वहां पहुंचा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने वाहन तेज गति से भगा दिया और नाकाबंदी तोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने पीछा किया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। पीछा करते हुए पुलिस बरका तिराहा होते हुए हसनपुर रोड तक पहुंची। खुद को घिरता देख आरोपी वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए खेतों की ओर भाग निकला।

पुलिस ने मौके पर स्कॉर्पियो को जब्त कर तलाशी ली, जिसमें ड्राइवर सीट के पीछे 58 पेटियां देशी प्लेन शराब बरामद हुईं। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत लगभग 8 लाख 32 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने वाहन जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

पति से विवाद के बाद महिला ने बच्ची के मुंह में भर दी रुई, फिर कर ली आत्महत्या; मासूम की हालत गंभीर

गुना (ए.)। मध्य प्रदेश के गुना जिले के कैंट थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने अपनी 10 माह की मासूम बच्ची के मुंह और नाक में रुई भरने के बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। गंभीर हालत में बच्ची का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान नानाखेड़ी निवासी 26 वर्षीय कीर्ति कुशवाह के रूप में हुई है। उसकी शादी इसी क्षेत्र के निवासी नीतीश कुशवाह से हुई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से घरेलू विवाद चल रहा था, जो घटना से एक दिन पहले भी बढ़ गया था।

परिवार के अनुसार, घटना वाले दिन सुबह कीर्ति ने घर के अन्य सदस्यों के साथ सामान्य रूप से पूजा-अर्चना की। इसके बाद वह अपनी बच्ची के साथ घर पर ही थी। उस समय घर के अन्य सदस्य मंडी में काम करने चले गए थे, जिससे घर कुछ समय के

लिए खाली हो गया। इसी दौरान कीर्ति ने यह कदम उठा लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसियों और परिजनों ने महिला को नीचे उतारा और बच्ची को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने कीर्ति को मृत घोषित कर दिया, जबकि बच्ची को गंभीर हालत में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया।

ससुराल पक्ष का कहना है कि परिवार पर करीब एक लाख रुपये का बिजली बिल बकाया था। हर महीने लगभग 10 हजार रुपये जमा किए जा रहे थे, लेकिन हाल ही में भुगतान नहीं होने के कारण बिजली काट दी गई थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। बताया गया कि कीर्ति ने अपने पति से बिजली बिल जमा करने को कहा था, जिससे विवाद और बढ़ गया।

वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कीर्ति को ससुराल में लगातार प्रताड़ित किया जाता था और उसके साथ मारपीट भी होती थी। उनका आरोप है कि इसी मानसिक और शारीरिक दबाव के चलते उसने यह कदम उठाया। इस संबंध में मायके पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तहसीलदार की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कराया है। कैंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव ने बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

व्यापार समाचार

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल, एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

- सोने 1200 रुपये महंगा, चांदी 4300 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2

फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है।

सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता।

इसके अलावा मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की मांग बढ़ाई है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपया कमजोर हुआ है, जिससे आयात महंगा हो गया और कीमतों पर असर पड़ा। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा, 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

- महंगे कच्चे तेल और बढ़ती डॉलर मांग ने भारतीय मुद्रा पर बढ़ाया दबाव

मुंबई (ए.)। मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है। तेल महंगा होने पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसका असर सिर्फ मुद्रा तक सीमित नहीं है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और बॉन्ड यील्ड में तेजी से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। वहीं, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो रुपया 98 प्रति डॉलर तक भी जा सकता है। यह संकट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है, जिसका असर आम लोगों की जेब पर भी साफ दिखाई दे सकता है।

वैश्विक अनिश्चितता से गिरावट के साथ खुले भारतीय शेयर बाजार

- सेंसेक्स 800 से ज्यादा अंक टूटा, निफ्टी 23100 के करीब

मुंबई (ए.)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच गिरावट के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है, जिसका असर घरेलू बाजार पर साफ दिखा। शुरुआती कारोबार में ही बीएसई सेंसेक्स 500 अंकों से अधिक गिरकर 74,883.79 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद गिरावट और तेज हो गई। सुबह 9:27 बजे सेंसेक्स 784.99 अंक यानी 1.04 प्रतिशत टूटकर 74,488.46 पर कारोबार करता दिखा। इसी तरह निफ्टी 50 भी दबाव में रहा। निफ्टी 23,173.55 पर खुला, लेकिन जल्द ही गिरावट गहराते हुए सुबह 9:31 बजे 270.05 अंक या 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,082.10 पर पहुंच गया। बाजार में गिरावट की एक बड़ी वजह इंडेक्स हैवीवेट शेयरों में बिकवाली रही। खासतौर पर एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में कमजोरी ने बाजार पर नकारात्मक दबाव डाला। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये में आई तेज गिरावट ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगा सकता है, जिससे बाजार में पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार जब तक वैश्विक स्तर पर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

पेट्रोल पर तीन व डीजल पर 10 रुपए घटी एक्साइज ड्यूटी, तेल कंपनियों को फायदा

->>> आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं, कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर रहेगा आगे का असर

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर टैक्स और निर्यात नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की है। हालांकि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल के रिटेल दामों में फिलहाल कोई कमी नहीं की गई है। सरकार का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे को सरल और तार्किक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। हालांकि इस कटौती के बावजूद आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियां इस कटौती से होने वाले लाभ का उपयोग अपने नुकसान की भरपाई करने में करेंगी। पिछले समय में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण इन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अब लागत कम होने से उनके मुनाफे और कैश फ्लो में सुधार होगा। सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2017

में भी संशोधन किया है। इसके तहत पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) और एटीएफ पर नियम 18 और 19 के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को ईंधन निर्यात करने पर पहले की तरह छूट मिलती रहेगी। निर्यात के मोर्चे पर भी सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। हाई-स्पीड डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 18.5 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर इस शुल्क को शून्य रखा गया है। इससे पेट्रोल निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा निर्यात और विदेशी एयरलाइंस को ईंधन आपूर्ति के मामलों में बुनियादी उत्पाद शुल्क और कृषि उपकर को हटाने का फैसला किया गया है। एविएशन सेक्टर के लिए भी राहत की घोषणा की गई है। एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति लीटर किया गया था, लेकिन एक अलग अधिसूचना के जरिए प्रभावी दर को घटाकर 29.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। साथ ही, आयातित एटीएफ पर अतिरिक्त सीमा शुल्क को भी हटा दिया गया है, जिससे एयरलाइंस की लागत कम हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के इन फैसलों से ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे में स्पष्टता आएगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

वंदे भारत में यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ पड़ा भारी, IRCTC ने ठेकेदार को किया ब्लैकलिस्ट; mul को भी थमाया नोटिस

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेलवे की सबसे प्रीमियम ट्रेनों में शुमार वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसे गए खराब खाने को लेकर अब एक बड़ा एक्शन देखने को मिला है। पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में एक यात्री को परोसे गए अमूल ब्रांड के खराब दही के मामले को आईआरसीटीसी (IRCTC) ने बेहद गंभीरता से लिया है। 15 मार्च को दर्ज की गई इस शिकायत के बाद आईआरसीटीसी ने सीधे अमूल कंपनी को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही यात्रियों की सेहत के साथ हुए इस खिलवाड़ पर कैटरिंग ठेकेदार के खिलाफ भी सख्त कदम उठाते हुए भारी जुर्माना लगाया गया है।

कैटरिंग ठेकेदार पर गिरी गाज, लाइसेंस रद्द करने की तैयारी

जानकारी के मुताबिक, यात्री की इस गंभीर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आईआरसीटीसी ने ट्रेन के लाइसेंसी कैटरिंग ठेकेदार पर कड़ा जुर्माना लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिर्फ जुर्माना ही नहीं, बल्कि लाइसेंसी का कॉन्ट्रैक्ट पूरी तरह से समाप्त करने की आधिकारिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

समस्याएं दूर नहीं हुई

अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है। मगर निर्यात, ऋण, कर वसूली, बिजली उपभोग, बिक्री, एवं औद्योगिक उत्पादन संकेतक आदि से संबंधित आंकड़े इस रुझान की पुष्टि नहीं करते। अर्थशास्त्रियों के लिए इसे समझना रहस्य बना रहा है। हाल में जीडीपी के अपनाए गए नए आधार वर्ष और नई विधि के बावजूद यह रहस्य सुलझा नहीं है। अमेरिका स्थित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनमिक्स (पीआईआईई) के एक ताजा शोध पत्र में इस रहस्य को समझने की कोशिश की गई है।

भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं अब पीआईआईई से जुड़े अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम और दो अन्य अर्थशास्त्री इस शोध में शामिल हुए। वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जीडीपी की नई सीरीज अपनाए जाने के बावजूद वे समस्याएं दूर नहीं हुई हैं, जिस कारण पुरानी सीरीज से अयथार्थ तस्वीर उभरती थी। इन अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध जनवरी 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई थी। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था। तब थोक मूल्य सूचकांक का सेवा क्षेत्र में भी डिफ्लेटर के रूप मे इस्तेमाल किया जाने लगा। इन अर्थशास्त्रियों का दावा है कि डब्लूपीआई सेवा क्षेत्र के मूल्यों को समाहित कर पाने में विफल रहता है।

इन बिंदु पर इस बार भी सुधार हुआ नहीं दिखता। एक अन्य समस्या औपचारिक क्षेत्र के आधार पर अनौपचारिक क्षेत्र के प्रदर्शन का आकलन है। अनौपचारिक क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और कोविड लॉकडाउन से अधिक बुरी तरह प्रभावित हुआ, लेकिन वो हकीकत जीडीपी आंकड़ों में नहीं झलकी। पिछले दो दशक के आंकड़ों की गणना के आधार पर शोध पत्र में कहा गया है कि विसंगतियों के कारण संभवत: 2005 से 2011 तक असल जीडीपी का एक से डेढ़ प्रतिशत कम अंदाजा लगा, जबकि 2012 से 2023 तक इसे डेढ़ से दो प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया। अपेक्षा थी कि नई सीरीज से इसमें सुधार होगा। मगर पीआईआईई के शोध-पत्र ने इस संबंध में नए संदेह खड़े कर दिए हैं।

अफवाहों की आग में ईंधन संकट का भ्रम सच से दूर भीड़, व्यवस्था पर बढ़ता दबाव और जिम्मेदारी की कसौटी

कांतिलाल मांडोत

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों पेट्रोल-डीजल को लेकर जो दृश्य सामने आए हैं, वे केवल आपूर्ति का मामला नहीं बल्कि मनोविज्ञान, सूचना और सामाजिक व्यवहार का भी प्रतिबिंब हैं। एक ओर सरकार और प्रशासन लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि ईंधन की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर असामान्य भीड़, लंबी कतारें और कई जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। यह पूरा घटनाक्रम हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर सूचना के इस युग में भी अफवाहें इतनी प्रभावी कैसे हो जाती हैं।

राजधानी लखनऊ से लेकर गोंडा, झांसी, कौशांबी और चित्रकूट जैसे जिलों में पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने न केवल अपने वाहनों में ईंधन भरवाया बल्कि बड़े-बड़े डिब्बों और ड्रमों में भी पेट्रोल-डीजल जमा करना शुरू कर दिया। लखनऊ के कठौता चौराहे पर सैकड़ों मीटर लंबी कतारें लगीं, जबकि गोंडा में तो स्थिति इतनी बिगड़ गई कि लाइन में लगे लोगों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प तक हो गई।

यह दृश्य किसी वास्तविक संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि एक अफवाह का असर था। जैसे ही यह खबर फैली कि पेट्रोल-डीजल खत्म हो सकता है, लोगों में एक प्रकार का भय पैदा हो गया। यह भय ही भीड़ का सबसे बड़ा कारण बना। जब लोग देखते हैं कि दूसरे लोग बड़ी मात्रा में ईंधन ले रहे हैं, तो वे भी उसी दिशा में कदम बढ़ा देते हैं। इसे सामूहिक व्यवहार की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, जिसमें व्यक्ति अपनी स्वतंत्र सोच के बजाय भीड़ के व्यवहार का अनुसरण करता है।

हालांकि, दूसरी ओर कई जिलों में स्थिति पूरी तरह सामान्य भी रही। गाजियाबाद, मेरठ और वाराणसी जैसे शहरों से रिपोर्ट मिली कि वहां पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की किल्लत नहीं है और लोग सामान्य रूप से ईंधन ले रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या वास्तविक आपूर्ति की नहीं, बल्कि धारणा और सूचना की है।

प्रदेश सरकार ने भी समय रहते स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने साफ कहा कि सभी जिलों में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि जो लोग अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम आवश्यक भी है, क्योंकि झूठी जानकारी न केवल भ्रम फैलाती है, बल्कि व्यवस्था को भी बाधित करती है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू किसानों से जुड़ा हुआ है। गेहूं की कटाई का समय होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। कन्नौज जैसे इलाकों में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में ड्रम लेकर डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। यह उनकी आवश्यकता है, लेकिन जब इसमें अफवाह का तत्व जुड़ जाता है, तो मांग असामान्य रूप से बढ़ जाती है और व्यवस्था पर दबाव पड़ता है।

कुछ जिलों में प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए विशेष कदम उठाने पड़े। कहीं-कहीं पेट्रोल की मात्रा पर सीमा तय की गई, तो कहीं पुलिस की तैनाती कर दी गई। अंबेडकरनगर और बहराइच में पेट्रोल पंपों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन सक्रिय रहा। वहीं श्रावस्ती में डिब्बों में ईंधन देने पर रोक के विरोध में किसानों ने सड़क जाम तक कर दिया। यह दर्शाता है कि जब सूचना स्पष्ट नहीं होती, तो असंतोष और टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

कुछ स्थानों पर वास्तविक समस्या भी सामने आई, जैसे हाथरस और चित्रकूट में कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो गया। लेकिन यह कमी व्यापक नहीं थी, बल्कि स्थानीय स्तर पर असंतुलित मांग के कारण हुई। जब एक ही समय में बहुत अधिक लोग ईंधन लेने पहुंचते हैं, तो अस्थायी कमी होना स्वाभाविक है। इसे वास्तविक संकट नहीं कहा जा सकता।

इस पूरे मामले में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जहां जिम्मेदार पत्रकारिता लोगों को सही जानकारी देती है, वहीं सोशल मीडिया पर बिना सत्यापन के फैलने वाली खबरें स्थिति को बिगाड़ सकती हैं। आज के डिजिटल युग में हर व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि प्रसारक भी बन गया है। ऐसे में जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण सबक भी देती है। किसी भी संकट या संभावित संकट की स्थिति में संयम और विवेक सबसे जरूरी होते हैं। यदि लोग अफवाहों के आधार पर अनावश्यक खरीदारी करने लगें, तो वे खुद ही उस संकट को जन्म दे देते हैं, जिससे वे बचना चाहते हैं। यही कारण है कि सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल खरीदें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल को लेकर जो स्थिति बनी, वह वास्तविक संकट से अधिक मनोवैज्ञानिक और सूचनात्मक संकट थी। प्रशासन की तत्परता और स्पष्टता के कारण स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। लेकिन यह घटना हमें यह जरूर सिखाती है कि अफवाहें कितनी खतरनाक हो सकती हैं और उनसे बचने के लिए समाज को कितना सजग रहना आवश्यक है।

आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

सौरभ वार्ष्णेय

आज जीवन की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई है कि जीवन में थोडी सी निराशा आई नहीं कि मानव आत्महत्या की ओर अग्रसर हो जाता है । क्या उसे आत्महत्या के आलावा अन्य विकल्प नहीं दिखता ताकि वह इस सोच से आगे बढ़ सके। हमारे समाज को भी इस ओर सोचना होगा कि अगर कोई बेरोजगार है या किसी समस्या से ग्रसित है तो उसे प्यार से आगे बढने का संदेश दें जिससे वह उस निराशा समय से निकल सके। आज के तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक दबाव, असफलताओं का भय और अकेलेपन की भावना कई लोगों को भीतर से तोड़ रही है। ऐसे में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार मन में आना एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट का संकेत है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का परिणाम भी है। देश में आत्महत्या के आंकड़े तो उपलब्ध नहीं है ? लेकिन आए दिन अखबारों में यह खबर दिल को झकझौर देती है।

अधिकतर खबरें कॉलेज, किसान, व्यवसायी, बेराजगारी से ही आतीं हैं। कारण अलग अलग हो सकते हैं। लेकिन शब्द एक ही आता है हताशा-निराशा? माना कि जीवन के संघर्ष में कुछ समय ऐसा आ जाता है कि जब चारों ओर से अंधेरा दिखाई देता है जो आगे का रास्ता अंधेरा बंद कर देता है। ऐसे में कही से एक आशा की किरण दिखाई दे जाये तो कुछ हद तक इन आत्महत्याओं पर रोक लग सकेगी। आज हम एक बात अच्छी तरह समझ लें कि यह काया जो हमें प्रकृतित्व से मिली है। वह

अनमोल है इसे वयर्थ नहीं कर सकते जब हमें किसी को जीवन देने का अधिकार नहीं है तो जीवन खत्म करने का अधिकार कहां से मिल जाता है।

अगर हम छात्र जीवन में हैं तो हमें बार बार असफलता हाथ लगती है तो क्या हम इस पर ही निराशा समझ लेंगे? नहीं बरन यह असफलता ही हमें सफलता की कुंजी देती है जिससे जीवन भर हम कभी असफलता की और नहीं देती? आज हम उन सफल महापुरुषों की ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि उनके पीछे कितनी असफलताऐं जुड़ी है।

अगर किसान है तो फसल नष्ट होने पर हम निराशा की ओर चले जाते हैं क्योंकि फसल के लिए लिया गया उधार हमें भार मालूम चलता है। ऐसा नहीं है कि अगर एक फसल चौपट हुई है तो जीवन का आधार कहीं से यानी जीवन जीना ही छोड़ दें नहीं हमें आगे बढना होगा । हमें किसान के साथ-साथ ऐसा भी कार्य करना होगा जिससे हमें एक सहायक कार्य भी करना होगा जो कि उसी खेती कार्य से जुड़ा होगा। इसके आलावा अन्य सरकारी सहायता पर ध्यान देना होगा।

इसके अलावा हम व्यवसायी हो या बेराजगार हैं तो हमें निराशा की जरूरत नहीं है। जीवन एक संघर्ष है। इसे ऐसे ही जीना पड़ता है। यह दुनिया है टांका टांकी को एक कुम्हार के घड़े की तरह लें जिसे कुम्हार तैयार करते समय उसमें चोटें मारता है।

आत्महत्या नहीं—जीवन का चयन करें

यह समझना जरूरी है कि जीवन में कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। लेकिन जब व्यक्ति निराशा के गहरे गर्त में होता है, तो उसे यही अंधेरा स्थायी लगने लगता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता होती है—समझ, सहानुभूति और संवाद की।

परिवार, मित्र और समाज की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई व्यक्ति असामान्य व्यवहार कर रहा है, खुद को अलग-थलग कर रहा है या बार-बार निराशा की बातें कर रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते संवेदनशील बातचीत, सहयोग और पेशेवर मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है।सरकार और संस्थाओं को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाना होगा। स्कूलों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग की व्यवस्था, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत करना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देना होगा।सबसे अहम बात—हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह अकेला नहीं है।

(विचार-मंथन) रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

सनत जैन

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यक्ता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फ़ीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप परिवार के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर पूर्ण रूप से सतर्क रहेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज महाअष्टमी के दिन आपके सभी कार्य सफल होंगे। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपकी टेंशन ख़त्म होंगी। आज आप किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। माता महागौरी की कृपा से आपका जीवन खुशियों से भरा रहेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। पिता से आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज ऐसी पुरानी चीज आपके हाथ लग सकती है, जिसे पाकर आपको खुशी महसूस होगी। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बितायेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं। डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत है। व्यापार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी खुशियाँ लेकर आया है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनायेंगे। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं जिससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जायेंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा। आज नई स्किल सीखने का विचार कर सकते हैं जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। रुपए पैसों के मामले में लापरवाही करने से आपको बचना चाहिए। टूर एंड ट्रेवल्स का काम कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होगा। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

नक्सलवाद का अंतिम अध्याय: 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सल-मुक्त, अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति की जीत

डॉ प्रदीप कुमार वर्मा

महज 29 दिन बाकी हैं। 31 मार्च 2026 को भारत का वो काला अध्याय खत्म होने जा रहा है, जिसने पिछले पांच दशकों से देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों को खून से रंगा रखा था। लाल गलियारे का वो जाल, जो छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों के जंगलों में फैला हुआ था, अब टूटने की कगार पर है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरवरी 2025 में ही साफ़ तारीख दे दी थी - 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जायेगा। और अब, मार्च 2026 के पहले सप्ताह में, आंकड़े और घटनाएं बता रही हैं कि वो लक्ष्य हासिल होने वाला है। सन 2000 में लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म प्रभावित जिलों की संख्या 200 थी। सन 2014 में यह संख्या 126 थी। 2025 तक यह घटकर 38 रह गई। आज सिर्फ़ सात जिले बचे हैं - छत्तीसगढ़ के पांच, झारखंड और ओडिशा में एक-एक। इनमें भी सिर्फ़ तीन को सबसे अधिक प्रभावित' माना जा रहा है। हिंसा 70 प्रतिशत से ज्यादा घटी है। नागरिक और सुरक्षाबलों के शहीद होने की संख्या न के बराबर रह गई है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2025 में ही 2337 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं - 2024 के 881 की तुलना में 165 प्रतिशत बढ़ोतरी। 317 नक्सली मारे गए। हजारों गिरफ्तार हुए।

ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि एक रणनीति की जीत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ़ बहुआयामी लड़ाई लड़ी। सिर्फ़ गोली नहीं, विकास भी।केन्द्र शासित राज्यों में डबल इंजन' सरकार ने सड़कें, मोबाइल टावर, स्कूल, अस्पताल और रोजगार दिए। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलियों की भर्ती का सबसे बड़ा आधार - बेरोजगारी और पिछड़ापन - खत्म हुआ। झारखंड इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। एक समय यह राज्य नक्सलवाद का गढ़ था। 2014-19 में मुख्यमंत्री रघुबर दास के नेतृत्व में, जब केंद्र में भी मोदी सरकार थी, नक्सल समस्या में भारी कमी आई। सड़कों का जाल बिछा, पुलिस स्टेशन मजबूत हुए, स्थानीय युवाओं को नौकरियां मिलीं। आज झारखंड में नक्सली गतिविधियां न के बराबर हैं। डबल इंजन की ताकत यही है - सुरक्षा के साथ विकास। अमित शाह ने न सिर्फ़ सुरक्षा बलों को खुली छूट दी, बल्कि केंद्र-राज्य तालमेल को भी नया रूप दिया। उन्होंने बार-बार कहा - नक्सली या तो सरेंडर करो, वरना खत्म होने के लिए तैयार रहो। और सुरक्षा बलों ने ठीक वैसा ही किया। 2025 की कुछ बड़ी घटनाएं याद कीजिए: मई 2025 में छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ क्षेत्र में ऑपरेशन कागर' (या ब्लैक फॉरेस्ट) में माओइस्ट के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ़ बासवराजू समेत 27 नक्सली ढेर कर दिए गए। यह तीन दशकों का सबसे बड़ा झटका था। इसी वर्ष जनवरी 2026 में झारखंड के वेस्ट सिंहभूम जिले में ऑपरेशन मेगाबुरु' में 16 नक्सली मारे गए, जिनमें सेंट्रल कमिटी सदस्य आनंद उर्फ़ पटिराम मांझी (एनाल दा) शामिल था। उस पर 2.35 करोड़ का इनाम था।इसी वर्ष पिछले महीने फरवरी 2026 में तेलंगाना में टॉप कमांडर देवजी (थिप्पिरी तिरुपति) ने 20 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। देवजी 40 साल से जंगलों में था। इनके अलावा छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा में दर्जनों छोटे-बड़े एनकाउंटर हुए। स्नाइपर स्पेशलिस्ट, बैटालियन कमांडर, महिला कमांडर - सब एक-एक कर खत्म कर दिए गए या सरेंडर करने को मजबूर कर दिए गए। 2025 में अकेले छत्तीसगढ़ में ही 2100 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया, 1785 नक्सलियों की गिरफ्तारियां हुई और 477 नक्सली ढेर कर दिए गए। लेकिन सरकार सिर्फ़ नक्सलवाद खत्म करने पर नहीं अटकी। समस्या खत्म होने के बाद इसे दोबारा न उभरने देने का प्लान भी तैयार है। गृह मंत्रालय ने 31 लिगेसी थ्रस्ट डिस्ट्रिक्ट्स' चिन्हित किए हैं - जैसे महाराष्ट्र का गढ़चिरौली, मध्य प्रदेश का बालाघाट, तेलंगाना का भद्राद्री कोठागुडेम। ये वो इलाके हैं जहां नक्सलवाद कभी मजबूत था, लेकिन अब हिंसा लगभग खत्म हो चुकी है। इन्हें लिगेसी' कहा जाता है क्योंकि ये पुरानी प्रभाव वाली जगहें हैं, और थ्रस्ट' इसलिए क्योंकि यहां नक्सल विचारधारा दोबारा पनपने की आशंका बनी रह सकती है। इसलिए केंद्र की मोदी सरकार इन जिलों को सुरक्षा, विकास और सामाजिक योजनाओं में विशेष मदद दे रहा है। झारखंड में भी कई ऐसे जिले हैं, जैसे गुमला, खूंटी, सिमडेगा और चतरा, जहां पहले नक्सल प्रभाव था। इन जिलों में अब केन्द्र की मदद से विशेष विकास पहल चल रही हैं, जैसे 1947 के बाद पहली बार रेलवे कनेक्टिविटी लाई जा रही है। झारखंड के करीब 32.48 प्रतिशत क्षेत्र जंगल है, और गढ़वा, पलामू, लातेहार जैसे जिले पहले संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित थे। इन लिगेसी' इलाकों में अब विकास, सामाजिक योजनाएं और सुरक्षा को साथ-साथ मजबूत किया जा रहा है ताकि कोई भी छाया दोबारा न आए। क्योंकि नक्सल विचारधारा अभी पूरी तरह मरी नहीं है, सिर्फ़ हथियार डाल रही है। नक्सलवाद की जड़ें 1967 के नक्सलबाड़ी आंदोलन से जुड़ी हैं। तब यह किसान विद्रोह' के रूप में शुरू हुआ, लेकिन जल्दी ही हिंसा, आतंक और विकास-विरोधी बन गया। हजारों निर्दोष आदिवासी, जवानों और अधिकारियों की जान गई। स्कूल जलाए गए, सड़कें रोकी गईं, खनिज संपदा लूटने की कोशिशें हुईं। मोदी सरकार ने इसे सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा चुनौती' मानकर पूरी ताकत झोंक दी।आज जब 31 मार्च करीब है, तो पूरा देश गर्व से कह सकता है - लाल गलियारा अब हरा हो रहा है। जहां कभी बंदूक की गूंज थी, वहां अब विकास की आवाज़ है। सड़कें बन रही हैं, बच्चे स्कूल जा रहे हैं, युवा नौकरी पा रहे हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 28 मार्च 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

विधानसभा चुनावों से पहले यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित है : जयराम रमेश

पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने के सरकार के फैसले की आलोचना की

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने के सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित है। ङ्क पर एक पोस्ट में रमेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 12 वर्षों में, जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें सात बार गिरीं, तब भी भारत में उपभोक्ता ईंधन की कीमतों में कमी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि आज की घोषणा विधानसभा चुनावों के कारण की गई है। 30 अप्रैल तक प्रतीक्षा करें। केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के तहत जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर 3 प्रति लीटर और डीजल पर उत्पाद शुल्क समाप्त करने के बाद ये टिप्पणियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त, डीजल निर्यात पर ?21.5 प्रति लीटर का अप्रत्याशित कर (विंडफॉल टैक्स) लगाया गया है। सरकार की यह कार्रवाई पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच आई है, जिसमें अमेरिका, इज़राइल और ईरान शामिल हैं। इस तनाव के चलते होर्मुज़ जलडमरूमध्य की नाकाबंदी कर दी गई है, जो वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से का संचालन करने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। संकट से पहले, भारत अपने तेल आयात का लगभग 12-15ब इसी मार्ग से प्राप्त करता था। शुल्क में कटौती का उद्देश्य कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण घाटे का सामना कर रही तेल विपणन कंपनियों पर वित्तीय दबाव को कम करना है, हालांकि खुदरा ईंधन की कीमतों में अभी तक कोई बदलाव नहीं हुआ है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देशभर में ईंधन की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। एक आधिकारिक बयान में आश्वासन दिया गया है कि देश भर में सभी खुदरा दुकानें सामान्य रूप से काम कर रही हैं और सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मंत्रालय ने जनता से अफवाहों के बीच घबराकर खरीदारी न करने का भी आग्रह किया।

न लॉकडाउन लगेगा, न ईंधन की कमी होगी, किरेन रिजिजू ने पीएम मोदी की फ्यूल ड्यूटी में कटौती की सराहना की

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उठ रही चिंताओं और लॉकडाउन की अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि देश में किसी भी तरह का लॉकडाउन नहीं लगाया जा रहा है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि वे जमाखोरी रोकें और ईंधन की सप्लाई को सुचारु बनाए रखें। केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू ने केंद्र सरकार के उस फैसले की जमकर सराहना की, जिसमें पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की गई है। उन्होंने इसे आम लोगों को राहत देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं पूरे देश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं। ऐसे कठिन समय में, जब दुनिया के जिस क्षेत्र से हमें गैस और पेट्रोलियम उत्पाद मिलते हैं, वहां युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, उस समय इतना बड़ा फैसला लेना कोई सामान्य बात नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का मकसद साफ है कि देश के किसी भी नागरिक को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी न हो। प्रधानमंत्री ने आज दिखा दिया है कि किसी भी भारतीय को अपने दैनिक जीवन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हर आम व्यक्ति समझता है कि हमारे देश में गैस और तेल का उत्पादन बहुत कम होता है और हम आयात पर निर्भर हैं। ऐसे में कीमतों को नियंत्रित रखना और बढ़ने से रोकना बहुत बड़ा फैसला है।

फ्यूल संकट के बीच बड़ी राहत, सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई; दोनों पर 10 रुपए की कटौती

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति संकट के बीच केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये घटाकर 3 रुपये कर दी गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब तेल कंपनियों को महंगे दामों पर कच्चा तेल खरीदना पड़ रहा था। हालांकि, राज्य सरकारों द्वारा लगाया जाने वाला वैट (VAT) यथावत रहेगा। इससे पहले पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर थी। वर्तमान में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.85 रुपए और डीजल 87.98 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपए और डीजल 90.03 रुपए प्रति लीटर है। इस कटौती के बाद यदि तेल कंपनियां इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाती हैं, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 10 रुपये तक की कमी आ सकती है। फिलहाल यह राहत केवल एक्साइज ड्यूटी में कटौती के रूप में दी गई है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाईं

नई दिल्ली,(ए)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।यात्रियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एयर इंडिया ने कहा कि जिन यात्रियों ने उन मार्गों पर यात्रा के लिए बुकिंग की है जहां एयर इंडिया समूह की निर्धारित सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित हैं, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के भविष्य की तिथि के लिए आसानी से पुनर्बुक कर सकते हैं या पूर्ण धनवापसी का विकल्प चुन सकते हैं।

अखिलेश यादव बोले- यूपी में सिर्फ एक माफिया, फर्जी एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मियों को दी चेतावनी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में अनगिनत फर्जी एनकाउंटर का दावा करते हुए कहा है कि जब वे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में कोई माफिया नहीं है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि वहां सिर्फ एक ही माफिया है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी चेतावनी दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाफ भाजपा एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के आरोपों प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव नेकहा, उत्तर प्रदेश में यह (एनकाउंटर) कोई नई बात नहीं है। जब वे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में कोई माफिया नहीं है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि वहां सिर्फ एक ही माफिया है। फर्जी एनकाउंटर सिर्फ एक बार नहीं हुए हैं। जब भी कोई निष्पक्ष जांच होगी, तो आपको पता चलेगा कि उत्तर प्रदेश सरकार में अनगिनत फर्जी एनकाउंटर हुए हैं। बता दें कि सुल्तानपुर में पुलिस की अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र लिखा है। उन्होंने आगे कहा, बहुत लोगों ने मानवाधिकार आयोग को शिकायतें दी हैं या मानवाधिकार आयोग की तरफ से सरकार को नोटिस भेजे गए हैं। लोग न्याय के लिए कोर्ट भी गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी, न्याय की जब बात होगी तो बहुत सारे अधिकारी अकेले पड़ जाएंगे। वे जेल चले जाएंगे और उनके परिवार के लोग भी उन्हें नहीं निकाल पाएंगे।एलपीजी को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में गैस सिलेंडरों के लिए अनगिनत लाइनें देखने को मिलती हैं और सरकार फिर भी कहती है कि सिलेंडर उपलब्ध हैं।

दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए, सीएक्यूएम ने निर्माण और विध्वंस गतिविधियों के लिए कड़े नियम लागू किए

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली एनसीआर में बढ़ते धूल प्रदूषण से निपटने के लिए, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 1 अप्रैल, 2026 से निर्माण और विध्वंस गतिविधियों के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। इन नियमों के तहत, मलबे का वैज्ञानिक निपटान अनिवार्य होगा और अधिभोग प्रमाण पत्र केवल कचरा निपटान के प्रमाण पर ही जारी किया जाएगा, जिसका उद्देश्य वायु गुणवत्ता में सुधार करना है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने धूल प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर सख्त नियम लागू किए हैं, जो 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होंगे। 2026 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, धूल प्रदूषण के स्तर में महत्वपूर्ण योगदान देती है—सर्दियों में लगभग 15 प्रतिशत और गर्मियों में 27 प्रतिशत। इसे ध्यान में रखते हुए, CAQM ने धूल उत्पादन को सीमित करने और वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। CAQM के सदस्य (तकनीकी) एस.डी. अत्री ने कहा कि विध्वंस से उत्पन्न धूल प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है, जिस पर कड़े नियंत्रण की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहले विध्वंस कार्य अक्सर पर्याप्त योजना या सूचना के बिना ही किए जाते थे, जिसके परिणामस्वरूप धूल और मलबे का अनियंत्रित फैलाव होता था। निर्देश संख्या 97, 2026 के तहत, 200 वर्ग मीटर से अधिक के विध्वंस परियोजनाओं को निर्दिष्ट संग्रह केंद्रों पर कचरा जमा करना होगा, जिसमें सुलभ और वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करने के लिए कम से कम एक केंद्र पांच किलोमीटर के दायरे में स्थित होना चाहिए। नियमों में यह निर्दिष्ट है कि धूल के फैलाव को रोकने के लिए मलबे को ढके हुए वाहनों में ले जाया जाना चाहिए। अपशिष्ट निपटान का प्रमाण प्रस्तुत करने पर ही अधिभोग प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रसीदें जारी करने और जीपीएस आधारित अपशिष्ट ट्रैकिंग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। अत्री ने बताया कि पानी का छिड़काव, धूल से बचाव के लिए इस्तेमाल होने वाली स्क्रीन, सेंसर और एंटी-स्मॉग गन सहित मौजूदा धूल नियंत्रण उपाय बड़े स्थलों पर अनिवार्य रहेंगे।

हम दोनों काम पूरा करके दिखाते हैं', मिडिल ईस्ट तनाव के बीच ट्रंप ने की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें काम पूरा करने वाले नेता बताया था। इसके साथ ही, दूतावास ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच दूतावास के सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी टाइमिंग और मैसेज की वजह से ध्यान खींचा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, भारत के साथ हमारे शानदार संबंध आगे और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे लोग हैं जो काम पूरा करते हैं, ऐसा ज्यादातर लोगों के बारे में नहीं कहा जा सकता। यह अपडेट दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत के बाद आई है। मंगलवार को टेलीफोनिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने ईरान संघर्ष को लेकर अहम चर्चा की। कॉल के बाद, पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाली और वैश्विक व्यापार के लिए होर्मुज स्ट्रेट की रणनीतिक अहमियत पर भारत का पक्ष दोहराया।

मणिपुर की उपमुख्यमंत्री सुश्री नेमचा किपगेन नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात करते हुए।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला नागरिकों को राहत देने वाला और जन-केंद्रित : अमित शाह

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सरकार की जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब पश्चिम एशिया संकट के बीच पूरी दुनिया ईंधन की कमी से जूझ रही है और कीमतें वैश्विक स्तर पर बढ़ रही हैं, ऐसे समय में मोदी सरकार का ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला नागरिकों को बहुत जरूरी राहत देता है। अमित शाह ने पोस्ट में आगे लिखा, जहां कई देशों ने डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं, वहीं मोदी सरकार का एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई।केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लिखा, मौजूदा उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर बहुत ही साहसी और संवेदनशील फैसला लेकर स्थिति को संभाला है। उन्होंने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दी है, जिससे आम आदमी को बहुत बड़ी राहत मिली है।

चीन-पाकिस्तान की बढ़ेगी टेंशन! एस-400 समेत 2.23 लाख करोड़ मंजूर

नई दिल्ली (ए.)। एस-400 प्रणाली महत्वपूर्ण क्षेत्रों को निशाना बनाने वाले दुश्मन के लंबी दूरी के हवाई हमलों का मुकाबला करेगी, जबकि रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट आक्रामक जवाबी और समन्वित हवाई अभियानों को अंजाम देने में सक्षम बनाएगा, साथ ही गुप्त खुफिया, निगरानी और पहचान गतिविधियां भी प्रदान करेगा। उन्होंने आगे कहा कि एसयू-30 एयरो इंजन और इसके घटकों की मरम्मत से विमान का सेवा जीवन बढ़ेगा और वायु सेना की परिचालन आवश्यकता पूरी होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने शुक्रवार को भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से 23 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी। यह मंजूरी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद दी गई। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए, डीएसी ने एस-400 लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) प्रणाली की खरीद, सुखोई सु-30 एयरो इंजन एग्रीगेट्स के नवीनीकरण और एएन32 और आईएल76 के परिवहन बेड़े को बदलने के लिए मध्यम परिवहन विमानों को शामिल करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य आईएएफ की रणनीतिक, सामरिक और परिचालन हवाई परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करना है। सूत्रों ने बताया, एस-400 प्रणाली महत्वपूर्ण क्षेत्रों को निशाना बनाने वाले दुश्मन के लंबी दूरी के हवाई हमलों का मुकाबला करेगी, जबकि रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट आक्रामक जवाबी और समन्वित हवाई अभियानों को अंजाम देने में सक्षम बनाएगा, साथ ही गुप्त खुफिया, निगरानी और पहचान गतिविधियां भी प्रदान करेगा। उन्होंने आगे कहा कि एसयू-30 एयरो इंजन और इसके घटकों की मरम्मत से विमान का सेवा जीवन बढ़ेगा और वायु सेना की परिचालन आवश्यकता पूरी होगी। भारतीय सेना के लिए, डीएसी ने वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली, बख्तरबंद भेदी टैंक गोला बारूद, उच्च क्षमता वाली रेडियो रिले, धनुष गन प्रणाली और रनवे स्वतंत्र हवाई निगरानी प्रणाली की खरीद को मंजूरी दे दी है। तटरक्षक बल के लिए, इसने भारी-भरकम कुशन वाहन के लिए आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) प्रदान की है, जिसका उपयोग बहुउद्देशीय समुद्री तटीय परिचालन भूमिकाओं के लिए किया जाएगा, जिसमें उच्च गति तटीय गश्त, टोही, खोज और बचाव अभियान, जहाजों को सहायता प्रदान करना और रसद सहित कर्मियों और सामानों का परिवहन करना शामिल है।

सेंट्रल पावर इंजीनियरिंग सर्विस और इंडियन इकोनॉमिक सर्विस के अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाक़ात की।

पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती को विपक्षी दलों ने चुनावी स्टंट और दिखावटी बताया

नई दिल्ली,(ए.)। पेट्रोल और डीजल पर केंद्र की मोदी सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरु हो गया है। विपक्षी दलों ने कटौती को चुनावी स्टंट और दिखावटी बताया है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इससे जनता को वास्तविक फायदा कितना होगा, यह स्पष्ट नहीं है और सरकार को स्थायी समाधान पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने इस कटौती को पूरी तरह राजनीतिक कदम बताया, जिसमें केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी घटाकर जनता को राहत दिखा रही है, लेकिन अन्य माध्यमों से वहीं बोझ जनता पर डाला जा सकता है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह ऐसा है जैसे पहले अधिक वसूली की जाए और फिर थोड़ी राहत देकर बड़ा एहसान दिखाया जाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के समय पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम थीं, जबकि वर्तमान में कई गुना बढ़ गई हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी मोदी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और इस पहले लगाए गए अनावश्यक टैक्स का आंशिक कम होना बताया। वहीं आम आदमी पार्टी के सांसद अशोक मित्तल ने चुनावी रणनीति से जोड़कर कहा कि यह कदम राज्यों में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर उठाया गया है। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद मियां अल्ताफ अहमद लारवी ने इस पहल को राहत देने वाला कदम बताया।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त कराने के लिए वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव का उपयोग करने का आग्रह किया मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने

श्रीनगर (ए.)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त कराने के लिए भारत के वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव का उपयोग करने का आग्रह किया। जम्मू और कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बोलते हुए, अब्दुल्ला ने क्षेत्र में बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस संकट ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है और राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी पीड़ा का कारण बन रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि संघर्ष को लेकर होने वाली चर्चाओं में अक्सर सत्ता परिवर्तन, होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल की बढ़ती कीमतों जैसे रणनीतिक और राजनीतिक पहलुओं पर ही ध्यान केंद्रित किया जाता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मानवीय पीड़ा, विशेष रूप से ईरान में, पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने भारत पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव को भी उजागर किया। जम्मू और कश्मीर के लोगों सहित कई भारतीय नागरिक इस समय ईरान में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में इसका असर पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों और परिवारों में बढ़ती चिंता के रूप में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि जनता के प्रतिनिधि होने के नाते, हमें इस सदन में अपनी चिंताएं उठाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने आगे कहा कि यद्यपि विधानसभा युद्ध को रोक नहीं सकती, लेकिन भारत की मजबूत कूटनीतिक स्थिति उसे शांति की दिशा में योगदान देने की क्षमता प्रदान करती है। अमेरिका, इज़राइल और ईरान जैसे देशों के साथ भारत के संबंधों का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार रचनात्मक भूमिका निभा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री से इन संबंधों और व्यक्तिगत कूटनीतिक चैनलों का उपयोग करके संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युद्ध की समाप्ति से पीड़ा कम होगी और राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व बहाल करने में मदद मिलेगी।

मैंने किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की : रवीना टंडन

मुंबई (ए.)। हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने एक आर्टिकल साझा करते हुए उन दावों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें फिल्म अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान उनके और करिश्मा कपूर के बीच कथित तनाव का जिक्र किया गया था। इस आलेख में फैशन डिजाइनर एशले रेबेलो का हवाला देते हुए दावा किया गया था कि शूटिंग के दौरान करिश्मा यह जानना चाहती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं। इन दावों के बारे में रवीना टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की और न ही वह किसी तरह की 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' का हिस्सा रही हैं। रवीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश और संतुष्ट रही हैं।

उनके मुताबिक, भगवान ने उन्हें जीवन में बहुत कुछ दिया है और वह हर मौके के लिए आभारी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। उनका मानना है कि जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं, वे उनके व्यक्तित्व और सच्चाई को भली-भांति समझते हैं। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे असुरक्षा या आपसी राजनीति में बदलना सही नहीं है। उन्होंने 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' जैसे व्यवहार से दूरी बनाए रखने की बात कही और संकेत दिया कि वह हमेशा अपने काम और व्यक्तिगत संतुलन पर ध्यान देती रही हैं।

पोस्ट के अंत में रवीना ने डिजाइनर एशले रेबेलो के प्रति स्नेह जताते हुए "हमेशा प्यार" लिखा, जिससे यह जाहिर होता है कि उनके बीच किसी प्रकार की व्यक्तिगत कड़वाहट नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया और किसी भी तरह की नकारात्मकता को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। गौरतलब है कि अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के बीच अनबन की खबरें वर्षों से चर्चा में रही हैं। फिल्म से जुड़े कई लोगों ने समय-समय पर इन घटनाओं का जिक्र किया है, जिससे यह मुद्दा अक्सर सुर्खियों में आता रहा है।

'सितारे जमीन पर' ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होगी उपलब्ध

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने रिलीज होने के बाद दर्शकों का दिल जीत लिया। सुपरस्टार आमिर खान की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई की। फिल्म अब ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। मेकर्स ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और 3 अप्रैल को फिल्म को डिजिटल रिलीज के लिए तय कर लिया गया है। सोनी लिव ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए लिखा, किसी के लिए अलग, किसी के लिए नॉर्मल, सबका अपना नॉर्मल होता है।

उम्मीद और सुकून की एक दिल छू लेने वाली कहानी। देखिए सितारे जमीन पर 3 अप्रैल से सिर्फ सोनी लिव पर। यह घोषणा फैंस के लिए रोमांचक है क्योंकि अब वे घर बैठे ही आमिर खान की इस शानदार फिल्म का अनुभव ले सकेंगे। यह फैसला आमिर खान के पिछले साल के बयान से अलग है,

जब उन्होंने कहा था कि फिल्म ओटीटी पर उपलब्ध नहीं होगी। उस समय फिल्म को थिएटर के बाद सीधे यूट्यूब रेंटल पर स्ट्रीम करने की योजना बनाई गई थी। 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद, 1 अगस्त से फिल्म यूट्यूब पर रेंट के जरिए देखी जा सकती थी, जहां दर्शक इसे 100 रुपये देकर स्ट्रीम कर सकते थे। फिल्म के निर्देशक आरएस प्रसन्ना ने कहानी को जीवंत बनाया है। फिल्म में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं, जबकि आशीष पेंडसे, आरुष दत्ता, आयुष भंसाली, ऋषि शहानी, गोपीकृष्णन के. वर्मा, ऋषभ जैन, वेदांत शर्मा, सिमरन मंगेशकर, संवित देसाई और नमन मिश्रा जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। 'सितारे जमीन पर' की कहानी एक बास्केटबॉल कोच के इर्द-गिर्द घूमती है। शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में फंसने के बाद कोर्ट उसे सजा के तौर पर विशेष बच्चों के एक ग्रुप को बास्केटबॉल सिखाने का आदेश देती है। फिल्म ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता बल्कि क्रिटिक्स से भी काफी सराहना हासिल की। बॉक्स ऑफिस पर इसने 265 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है, जो इसे साल की सबसे सफल फिल्मों में शुमार करता है। अब 3 अप्रैल से आमिर खान की यह फिल्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

चॉकलेटी गाउन में कियारा आडवानी ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

कियारा आडवाणी ने हाल ही में मुंबई के एक अवॉर्ड फंक्शन में अपनी शानदार मौजूदगी से सबका ध्यान खींच लिया. उनका लुक इतना ग्लैमरस और क्लासी था कि फैंस उन्हें देखते ही रह गए. मां बनने के बाद उनके चेहरे पर एक अलग ही चमक और कॉन्फिडेंस नजर आया, जो उन्हें और खास बना रहा था. इसी बीच आइए कियारा की तस्वीरों और उनके लुक को देखते हैं.

कियारा ने अपने बालों को खुला रखा और हल्के वेव्स में स्टाइल किया. बालों का सॉफ्ट और नेचुरल लुक उनके चेहरे को बहुत खूबसूरती से फ्रेम कर रहा है.कियारा ने ब्राउन शेड की बॉडी-हगिंग ड्रेस पहनी है, जो उनके फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही है. ड्रेस का डिजाइन सिंपल होते हुए भी काफी स्टाइलिश था.उनका मेकअप बहुत सटल और एलिगेंट है. ग्लोइंग स्किन, स्मोकी आईज और न्यूड लिप्स ने उनके चेहरे की नैचुरल ब्यूटी को और निखार दिया.

ड्रेस की डीप नेकलाइन और स्लीक डिजाइन ने उनके लुक को बोल्ड और अट्रैक्टिव बना दिया, जिससे लोगों की नजरें उनसे हट ही नहीं पा रही थी.कियारा ने अपने लुक को मिनिमल रखते हुए सिर्फ एक स्टाइलिश चोकर नेकलेस पहना. यह ज्वेलरी उनके आउटफिट के साथ बहुत अच्छी लग रही थी.

उनकी बॉडी लैंग्वेज कॉन्फिडेंट और ग्रेसफुल थी. कैमरे के सामने उनके हर पोज में एक अलग ही चार्म दिख रहा था, जो उनकी पर्सनालिटी को और खास बना रहा था.कियारा के लुक और उनकी प्रेजेंस ने इस शाम को खास बना दिया. सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें अब फैंस के बीच वायरल हो गई है और हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है.

विवाद बढ़ने पर करण जौहर ने अपने बयान को लेकर दी सफाई

मुंबई (ए.)। बीते दिनों बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वर्तमान समय में एक्टर्स बहुत जल्दी टैलेंट एजेंसी बदल लेते हैं और कभी-कभी यह फैसले उनकी इनसिक्योरिटी की वजह से होते हैं। इस बयान को तुरंत जाह्नवी कपूर से जोड़कर पेश किया गया, जिससे सोशल मीडिया और मीडिया पर काफी चर्चा हुई। विवाद बढ़ने के बाद करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर स्पष्ट किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने लिखा कि उनके शब्दों को संदर्भ से हटाकर और तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है, जिससे गलतफहमियां पैदा हो रही हैं। करण ने मीडिया से अपील की कि सिर्फ आकर्षक हेडलाइंस बनाने के लिए इंटरव्यू के छोटे हिस्सों को अलग-अलग दिखाना उचित नहीं है।

करण जौहर ने यह भी बताया कि कलाकार इंटरव्यू और पॉडकास्ट में खुलकर अपनी राय रखते हैं, लेकिन जब उनकी एक लाइन को अलग संदर्भ में पेश किया जाता है, तो वह भ्रामक बन जाती है। इससे न केवल गलत संदेश जाता है, बल्कि लोग खुलकर बात करने में हिचकिचाने लगते हैं। उनका कहना है कि किसी भी बयान को उसके पूरे संदर्भ में पेश करना चाहिए, केवल एक लाइन को अलग दिखाना लोगों के बीच भ्रम और गलतफहमी फैलाता है। करण जौहर के इस पोस्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि उनका बयान किसी विशेष कलाकार को निशाना बनाने के लिए नहीं था।

उन्होंने अपने संदेश में यह भी जोर दिया कि वे एजेंसी छोड़ने वाले कलाकारों के साथ काम करना जारी रखेंगे और उनका उद्देश्य केवल इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड्स और चुनौतियों पर अपने विचार साझा करना था। इस सफाई के साथ करण जौहर ने सोशल मीडिया पर यह संदेश दिया कि इंटरव्यू और बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से न केवल कलाकारों की छवि प्रभावित होती है, बल्कि इंडस्ट्री में संवाद और ईमानदार विचार साझा करने का माहौल भी प्रभावित होता है। अब फैंस और मीडिया के लिए यह स्पष्ट हो गया कि करण का बयान व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पेशेवर परिप्रेक्ष्य से था।

फिल्म वाल्मीकि रामायण की पहली झलक जारी, 02 अक्टूबर को होगी रिलीज

आगामी फिल्म वाल्मीकि रामायण के निर्माताओं ने रामनवमी के अवसर पर इसका फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। पोस्टर पर भगवान राम के चरण दिखाए गए हैं। यह तस्वीर आस्था, करुणा और पवित्र यात्रा शुरू करने से पहले आशीर्वाद लेने के काम को दिखाती है। यह फिल्म इस साल अक्तूबर में रिलीज होगी।

फिल्म वाल्मीकि रामायण के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता भावना तलवार ने संभाली है। आज साझा किए गए पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, जब तक पहाड़ खड़े रहेंगे और नदियां बहती रहेंगी, रामायण जिंदा रहेगी। बता दें कि यह फिल्म 02 अक्तूबर 2026 को रिलीज होगी।

इस फिल्म में इंडस्ट्री की एक मजबूत टीम एक साथ काम कर रही है। फिल्म बाहुबली में माहिष्मती की दुनिया की रचना करने वाले प्रोडक्शन डिजाइनर साबु सिरिल भी फिल्म का हिस्सा हैं। साबुल सिरिल के साथ-साथ, सिनेमैटोग्राफर बिनोद प्रधान और साउंड डिजाइनर रेसुल पुकुट्टी भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। लेखक आनंद नीलकंठन और चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने भी इस फिल्म पर काम किया है, ताकि इसकी कहानी जमीनी और वास्तविक लगे। फिल्म के पहले लुक पोस्टर से पता चलता है कि यह रामायण को आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों पर जोर देते हुए पेश करेगी। मेकर्स की कोशिश सरल, सहज और सार्थक तरीके से दर्शकों से जुड़ने की है।

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 ओटीटी पर होगी रिलीज, 27 मार्च को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. फिल्म में रानी मुखर्जी को एक बार फिर से शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में देखने के बाद दर्शकों का उत्साह बढ़ गया था. इसके बाद अब ये फिल्म जल्दी ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होने वाली है. अगर आपने भी अब तक ये फिल्म नहीं देखी है तो जान लें, ये कहां और कब रिलीज होने वाली है.मर्दानी 3 फिल्म थिएटर रिलीज के दो महीने बाद अब फाइनली ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 27 मार्च को रिलीज होने वाली है.

बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद, साल 2026 में रिलीज होगी 7 बड़ी फिल्में

अक्षय कुमार के साथ भूत-बंगला से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका भूत-बंगला के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह टिकी टाका फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म जिनी में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी।

इसके अलावा वामिका दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग और पति पत्नी और वो दो में दिखने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि पति पत्नी और वो दो में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है।

वामिका किकली के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। किकली आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म जी-2 में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

अभिनेत्री मानसी पारेख की मेहनत को मिला सम्मान

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री मानसी पारेख को हाल ही में एंटरटेनमेंट कैटेगरी में फेमिना गेम चेंजर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मानसी ने अवॉर्ड प्राप्ति की खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अवॉर्ड हाथ में लिए दिखाई दीं। मानसी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, हम अपनी नई राह खुद बनाते हैं। यही हमेशा मेरा मंत्र रहा है, चाहे जिंदगी हो या करियर। मैंने कभी भी लोगों की उम्मीद के मुताबिक रास्ता नहीं चुना। अपना खुद का रास्ता बनाया, भले ही वह कभी-कभी अनिश्चित लगे, हमेशा फायदेमंद साबित हुआ है।

उन्होंने बताया कि वे एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार से आती हैं और इंडस्ट्री में बिना किसी कनेक्शन के शुरुआत करना आसान नहीं था। मानसी ने कहा, बिना किसी मदद के शुरुआत करके आज अपने सपनों को जीना और दूसरों के लिए भी नए मौके बनाना बहुत संतोषजनक

है। अभिनेत्री ने फेमिना इंडिया को विशेष धन्यवाद भी दिया, लिखा, धन्यवाद फेमिना इंडिया मुझे एंटरटेनमेंट में गेम चेंजर अवॉर्ड देने के लिए। आशा है कि और भी महिलाएं खुद पर भरोसा करें और अपने तरीके से खेल बदलें। मानसी पारेख टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एमटीवी के सीरियल 'कितनी मस्त है जिंदगी' से की थी।

इसके बाद उन्होंने कई टीवी सीरियलों में काम किया, जिनमें 'जिंदगी का हर रंग गुलाल', 'सुमित संभाल लेगा', 'कसौटी जिंदगी की' और 'सरस्वतीचंद्र' शामिल हैं। टीवी करियर के बाद मानसी ने फिल्मों की ओर रुख किया और तमिल, गुजराती और हिंदी फिल्मों में काम किया। उन्होंने कई गुजराती फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ कुछ फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया। साल 2024 में उन्हें नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म 'कच्छ एक्सप्रेस' में अभिनय करने के साथ-साथ प्रोडक्शन का जिम्मा भी संभालना पड़ा, जो उनके करियर का महत्वपूर्ण मुकाम साबित हुआ।

हॉकी फैंस के लिए बुरी खबर, 2 ओलिंपिक मेडल जीतने वाले इस दिग्गज भारतीय खिलाड़ी ने अचानक किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की। 31 साल के स्टार ने भारतीय टीम के लिए 130 मैचों में 33 गोल किए।26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत के मन में बचपन से ही हॉकी के प्रति लगाव था। इस खेल में बेहतर बनने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। गुरजंत ने 2016 में लखनऊ में फाइनल में गोल करते हुए भारत की जूनियर विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2017 में गुरजंत ने सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियां ओलंपिक मंच पर सामने आईं, जहां वे टोक्यो 2020 और पेरिस 2024, दोनों ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीमों का एक अहम हिस्सा थे। ओलंपिक के अलावा, गुरजंत ने भारत को 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण, 2017 एशिया कप में स्वर्ण और कई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में मदद की। 2021 में, उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो भारत के सर्वोच्च खेल सम्मानों में से एक है।अपने संन्यास की घोषणा करते हुए गुरजंत ने कहा, आज मैं गर्व और गहरी भावनाओं के साथ अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। मैंने अपनी हॉकी यात्रा की शुरुआत इस कमरे में बैठे अपने सीनियर खिलाड़ियों को आदर्श मानकर की थी, और उनके साथ भारत के लिए खेलने का अपना सपना पूरा करना मेरे लिए एक ऐसी अनमोल याद है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

उन्होंने कहा, भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक पुनरुद्धार का हिस्सा बनकर और दो ओलंपिक पदक हासिल करके मुझे बेहद संतुष्टि महसूस हो रही है। ट्रॉफियों से बढ़कर, सबसे बड़ी याद जो मैं अपने साथ ले जा रहा हूं, वह है अपने साथियों के साथ बिताया गया समय। हम एक परिवार की तरह रहे, और हर उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे का साथ दिया। मैं हॉकी इंडिया का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे इतनी सम्मानजनक विदाई दी। मैं अंतरराष्ट्रीय मंच से एक बहुत ही खुश और गर्वित इंसान के तौर पर विदा ले रहा हूं।हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, गुरजंत सिंह लगभग एक दशक से भारत की हॉकी कहानी का एक अहम हिस्सा रहे हैं। उनकी रफ्तार, उनकी ऊर्जा और बड़े मौकों पर गोल करने की उनकी क्षमता ने उन्हें एक ऐसा खिलाड़ी बनाया जिससे विरोधी हमेशा डरते थे। उन्होंने बड़े गर्व के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय हॉकी को उन्होंने जो कुछ भी दिया है, उसके लिए हम उनका शुक्रिया अदा करते हैं।

15 के हुए वैभव सूर्यवंशी, धमाकेदार प्रदर्शन से सुर्खियों में

- एक ओवर ने बदली करीम जनत की किस्मत

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं और इसके साथ ही उनके लिए सीनियर क्रिकेट में आगे बढ़ने का रास्ता और साफ हो गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले वैभव ने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया था। उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर तेजी से पहचान बनाई। उनकी काबिलियत को देखते हुए आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

खास तौर पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया और 'वंडर बॉय' के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली।हालांकि इसी सीजन का एक और पहलू भी काफी चर्चा में रहा, जिसमें उनके प्रदर्शन ने एक अन्य खिलाड़ी के करियर पर गहरा असर डाला। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करीम जनत को 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्हें डेब्यू का मौका मिला, लेकिन यह मैच उनके लिए बेहद मुश्किल साबित हुआ। उस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के सामने गेंदबाजी करते हुए करीम जनत पूरी तरह दबाव में नजर आए।

रायपुर में आईपीएल का रोमांचः 10 और 13 मई को दिखेगा आरसीबी, केकेआर और एमआई का दम

रायपुर,(आरएनएस)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। आईपीएल 2026 के दूसरे शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को भी मेजबानी का मौका मिला है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, शहर में 10 और 13 मई को दो हाई-वोल्टेज मुकाबले खेले जाएंगे।

पहला मैच 10 मई 2026 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। वहीं, दूसरा मुकाबला 13 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी इस शेड्यूल के बाद रायपुर के क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आरसीबी, एमआई और केकेआर जैसी लोकप्रिय टीमों के स्टार खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद मिलेगा।

रायपुर में आईपीएल मैचों का आयोजन न केवल खेल प्रेमियों के लिए उत्सव जैसा होगा, बल्कि इससे शहर की पहचान और खेल संस्कृति को भी नई ऊंचाई मिलेगी।

शाहरुख खान आ सकते हैं रायपुर! आईपीएल 2026 में होंगे दो बड़े मुकाबले

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 का दूसरा शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अनुसार राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे।

पहला मैच 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। वहीं दूसरा मुकाबला 13 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स और आरसीबी के बीच खेला जाएगा।

तैयारियां शुरू, बैठक जल्द

इन मैचों को लेकर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्टेडियम में दर्शकों की सुविधाएं, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जल्द ही बैठक की जाएगी। साथ ही टिकट की कीमतों को भी जल्द तय किया जाएगा।

केकेआर मैच में दिख सकते हैं शाहरुख खान

13 मई को होने वाले केकेआर बनाम आरसीबी मैच को लेकर खास चर्चा है कि शाहरुख खान रायपुर आ सकते हैं। वह अक्सर अपनी टीम के मैच देखने स्टेडियम पहुंचते हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबाद: ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू सीजन के कार्यक्रम का ऐलान, जानिए कब और कहां होंगे मुकाबले

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 घरेलू सीजन का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस बार का सीजन काफी व्यस्त और रोमांचक रहने वाला है, जहां वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भारत दौरे पर आएंगी। इस दौरान कुल 17 शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे, जिससे देशभर के क्रिकेट प्रेमियों को शानदार मुकाबले देखने का मौका मिलेगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ सितंबर में शुरू होने वाली सीरीज से इसका आगाज होगा। भारतीय टीम सबसे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। इसके बाद दिसंबर 2026 में श्रीलंका क्रिकेट टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां 3 वनडे और 3 टी-20 मुकाबले होंगे। नए साल की शुरुआत में जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। वहीं, सीजन का अंत ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की 5 टेस्ट मैचों की सीरीज से होगा, जिसकी शुरुआत 21 जनवरी से होगी।

विदेश समाचार

ईरान युद्ध पर घर में ही घिरे ट्रंप, 59प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा- ईरान के खिलाफ जरुरत से ज्यादा कार्रवाई

इस्लामाबाद (आरएनएस)। अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान के चल रहे संघर्ष को लगभग एक महीना होने वाला है, लेकिन अब तक सीजफायर पर कोई सहमति नहीं बन पाई है। ईरान झुकने को तैयार नहीं है और खाड़ी क्षेत्र में लगातार हमले जारी हैं। इस बीच एक नए सर्वेक्षण ने संकेत दिया है कि मिडिल ईस्ट में जारी यह युद्ध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए राजनीतिक मुश्किलें खड़ी कर सकता है। एपी-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वे के अनुसार, करीब 59 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक मानते हैं कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जरूरत से ज्यादा आगे बढ़ गई है।

संघर्ष के चौथे सप्ताह में किए गए इस सर्वे में पाया गया कि ट्रंप की समग्र अनुमोदन रेटिंग भले ही स्थिर बनी हुई है, लेकिन युद्ध का राजनीतिक असर तेजी से बढ़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने मिडिल ईस्ट में अतिरिक्त युद्धपोत और सैनिक तैनात किए हैं, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है। अमेरिकी जनता में इस सैन्य अभियान को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। लगभग 74 प्रतिशत नागरिक जमीनी सेना भेजने के खिलाफ हैं। वहीं, बढ़ती पेट्रोल कीमतों और लंबे खिंचते युद्ध को लेकर लोगों की चिंता भी गहराती जा रही है।

सर्वे के मुताबिक, करीब 45 प्रतिशत अमेरिकी आने वाले महीनों में ईंधन खर्च को लेकर बेहद चिंतित हैं। हालांकि, दो-तिहाई लोगों का मानना है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना अमेरिका की महत्वपूर्ण विदेश नीति प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही, उतने ही लोग घरेलू तेल और गैस की कीमतों को नियंत्रित करने की जरूरत पर भी जोर दे रहे हैं। कुल मिलाकर, ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान अब ट्रंप प्रशासन के लिए विदेश नीति के साथ-साथ घरेलू स्तर पर भी एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

फिर पीछे हटे ट्रंप, ईरान पर अब 6 अप्रैल तक नहीं करेंगे हमला; बोले-तेहरान के कहने पर लिया फैसला

तेहरान/वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग के बीच से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अमेरिकी फोर्सेस अगले दस दिनों तक ईरान के एनर्जी प्लांट पर हमला नहीं करेंगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में यह बात कही है। अपनी पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, ईरानी सरकार के अनुरोध के अनुसार मैं एनर्जी प्लांट को नष्ट करने का समय 10 दिन के लिए सोमवार, 6 अप्रैल, 2026 को रात 8 बजे, ईस्टर्न टाइम तक रोक रहा हूं।

बता दें कि ट्रंप ने पहले सोशल मीडिया पोस्ट पर ये ऐलान किया और उसके बाद कहा कि ईरान ने और समय मांगा है। सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक ट्रंप ने अपनी एनर्जी प्लांट स्ट्राइक पर लगी रोक को 6 अप्रैल तक बढ़ा दिया है और कहा है कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ईरानी सरकार के अनुरोध पर मैं ऊर्जा ठिकानों को तबाह करने की कार्रवाई को 10 दिनों के लिए रोक रहा हूं, जो सोमवार, 6 अप्रैल 2026 को रात 8 बजे तक जारी रहेगा।

इस बीच ट्रंप ने एक और बड़ा खुलासा किया है। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने अमेरिका को कीमती तोहफा भेजा है। ईरान ने होर्मुज से 10 टैंकर पार करने की इजाज़त दे दी है। वहां से 8 टैंकर रवाना हो चुके हैं और ईरान 2 टैंक और भेजेगा। ट्रंप ने बताया कि इन टैंकर्स पर पाकिस्तानी झंडे लगे हैं और वो जल्द ही उनके पास पहुंच जाएंगी।

मिसाइलों पर 'थैंक्यू इंडिया' लिख ईरान ने जताया समर्थन का आभार, इजराइल पर 83वीं बार हमला

-स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी धन्यवाद संदेश

तेहरान,(ए.)। मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य तनाव के बीच ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष और तेज हो गया है। ताजा घटनाक्रम में ईरान ने इजराइल पर 83वीं बार मिसाइल हमला किया है। इस बार हमले के दौरान एक अनोखी बात सामने आई, जिसने वैश्विक स्तर पर ध्यान खींचा। ईरानी सैनिकों ने मिसाइलों पर 'थैंक्यू इंडिया' और 'थैंक्यू पीपल ऑफ इंडिया' जैसे संदेश लिखे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि ईरान के सैनिक मिसाइलों पर अलग-अलग देशों के नाम लिखते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए तैयार कर रहे हैं। भारत के अलावा स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी धन्यवाद संदेश लिखे गए। ईरान का कहना है कि यह कदम उन देशों और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए उठाया गया है, जिन्होंने इस संघर्ष के दौरान उसका समर्थन किया।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड, यानी इस्लामिक

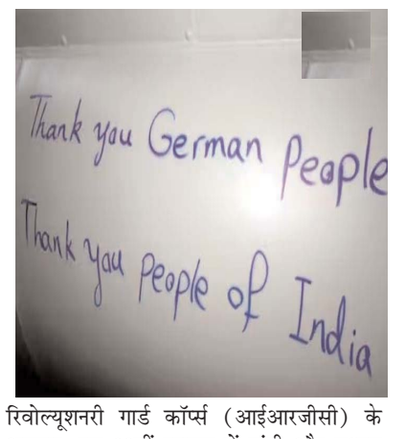

रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अनुसार, इस 83वीं स्ट्राइक में लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलों के साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। हमलों का निशाना केवल इजराइल के सैन्य ठिकाने ही नहीं थे, बल्कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिका के सैन्य ठिकानों को भी टारगेट किया गया। ईरान ने बहरीन में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े एक ठिकाने पर हमला करने का भी दावा किया है।

इस बीच, ईरान ने भारत से जुड़े एक भावनात्मक पहलू का भी जिक्र किया है। भारत में स्थित ईरानी दूतावास ने उन भारतीय बच्चों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कथित तौर पर अपनी गुल्लक तोड़कर ईरान के समर्थन में धन दान किया। दूतावास ने इसे प्यार भरा तोहफा बताते हुए कहा कि छोटे-छोटे बच्चों की यह मदद उनके दिल को छू गई और इसे कभी भुलाया नहीं जाएगा।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जम्मू-कश्मीर समेत कई क्षेत्रों में बच्चों ने इस तरह की पहल की। ईरानी दूतावास ने कहा कि यह समर्थन दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों और मानवीय जुड़ाव को दर्शाता है। मौजूदा घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि मिडिल ईस्ट का यह संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि इसका प्रभाव और संदेश वैश्विक स्तर पर फैल रहा है।

हमें कतर मत समझना... बुरी तरह पीटूंगा, ईरान जंग के बीच पाकिस्तान ने इजरायल को दी चेतावनी

इस्लामाबाद (आरएनएस)। ईरान में जारी संघर्ष के बीच पाकिस्तान ने इजरायल को अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। पाकिस्तान ने स्पष्ट कहा है कि यदि उसके किसी नागरिक या राजनयिक को नुकसान पहुंचता है, तो उसका सख्त जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान ने साफ-साफ चेताते हुए कहा कि वह कतर नहीं है जो चुपचाप बैठ जाएगा।

यह बयान तेहरान में पाकिस्तान दूतावास के पास हुए हालिया हवाई हमलों के बाद सामने आया है। इन हमलों को इजरायल और अमेरिका से जोड़ा जा रहा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी दूतावास और वहां मौजूद राजनयिक सुरक्षित हैं, हालांकि आसपास के इलाकों में धमाकों का असर देखा गया।पाकिस्तान के एक रणनीतिक मंच की ओर से जारी बयान में कहा गया कि देश अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर है और किसी भी खतरे की स्थिति में जवाब देने से पीछे नहीं हटेगा। इस बीच पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। तेहरान, काशान और अबादान जैसे शहरों में हवाई हमलों की खबरें हैं। संघर्ष के चलते क्षेत्र में अस्थिरता बनी हुई है, जिसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर भी पड़ रहा है।होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। ईरान ने इसे कुछ देशों के लिए खुला रखा है, जबकि अमेरिका ने इस मुद्दे पर दबाव बढ़ाया है। उधर, पाकिस्तान ने खुद को एक संभावित मध्यस्थ के रूप में भी पेश किया है। इस्लामाबाद ने संकेत दिया है कि यदि दोनों पक्ष तैयार हों, तो वह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की मेजबानी करने को तैयार है।

ईरान से तनाव के बीच सुलह की कोशिश, पाकिस्तान जा सकते हैं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

इस्लामाबाद (ए.)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में तनाव की आंच अब दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंच चुकी है। अमेरिका अपनी शर्तों पर युद्ध खत्म करना चाहता है, लेकिन ईरान अपनी जिद पर डटा है। इस बीच पाकिस्तान ने ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने की बात कही। इस बीच अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान दौरे की खबरें सामने आ रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध को खत्म करने के मकसद से बातचीत के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने दो वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान के खुद को एक अहम मीडिएटर के तौर पर पेश करने के बाद इस हफ्ते इस्लामाबाद में एक मीटिंग अरेंज करने की तैयारी चल रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शायद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार के दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ जेडी वेंस पाकिस्तान जा सकते हैं। इससे पहले द फाइनेंशियल टाइम्स ने कहा था कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ

असीम मुनीर ने रविवार को ट्रंप से बात की थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। इस बीच व्हाइट हाउस ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान निर्धारित समय से आगे चल रहे हैं और अपने मुख्य उद्देश्यों के करीब पहुंच रहे हैं। वहीं वॉशिंगटन तेहरान के साथ सार्थक बातचीत जारी रखे हुए है, जिसका उद्देश्य इस संघर्ष को समाप्त करना है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मीडिया से कहा कि अमेरिका ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के मुख्य लक्ष्यों को हासिल करने के करीब है। उन्होंने कहा, सिर्फ तीन हफ्तों से थोड़ा अधिक समय में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी एक बड़ी सैन्य जीत साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि अब तक 9,000 से अधिक दुश्मन ठिकानों पर हमला किया जा चुका है। लेविट ने कहा कि इस अभियान की शुरुआत के बाद से ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के 140 से अधिक नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर दिया है, जिसे कैरोलिन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तीन हफ्तों में किसी नौसेना के सबसे बड़े विनाश के रूप में बताया। कैरोलिन लेविट ने कहा, हर गुजरते दिन के साथ हमारे सैन्य प्रयास अधिक सफल हो रहे हैं और ईरान की व्यापारिक जहाजों को डराने की क्षमता लगातार कम हो रही है। इस अभियान ने होर्मुज स्ट्रेट के जरिए शिपिंग को खतरे में डालने की ईरान की क्षमता को काफी कमजोर कर दिया है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

अब ट्रंप ने नाटो को दे डाली धमकी, बोले- 'मदद नहीं की, ये समय कभी भूलना मत'

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) देशों पर बिफरे हैं। उन्होंने सीधे-सीधे धमकी देते हुए कहा कि इस समय को कभी 'भूलिएगा मत।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ पोस्ट में ईरान के लिए विवादित शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा, नाटो देशों ने ईरान जैसे पागल देश के खिलाफ कोई मदद नहीं की। अमेरिका को नाटो से किसी चीज की आवश्यकता नहीं है, लेकिन ये समय कभी भूलिएगा मत! बीते शुक्रवार (20 मार्च) को भी ट्रंप ने ईरान-इजरायल तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने में मदद न करने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने नाटो को कागजी शेर और सदस्य देशों को कायर बताते हुए कहा था कि बिना अमेरिका के यह गठबंधन कुछ नहीं है।

मरीह माता मंदिर में नवरात्रि के अंतिम दिन भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाब, आठ हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने की प्रसादी ग्रहण

आज किया जाएगा देवी का विशेष श्रृंगार

सीहोर (निप्र)। शहर के विश्रामघाट स्थित चौसट योगिनी मरीह माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन है और इस दिन मां भगवती की 9वीं शक्ति मां सिद्धिदात्री देवी की पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की ऐसा विश्वास है कि इनकी पूजा पूरे विधि विधान के साथ करने वाले उपासक की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। नवरात्रि का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया, इस मौके पर शुक्रवार की सुबह चार बजे से ही यहां पर भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर रात्रि तक जारी रहा। नवरात्रि के अंतिम दिन यहां पर मौजूद श्रद्धालुओं के द्वारा मां दुर्गा की नौवीं शक्ति मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की गई और सुबह दस बजे यहां पर जारी यज्ञ में पूर्णाहुति दी गई। इसके बाद भंडारे का शुभारंभ किया।भव्य भंडारे में शहर सहित आस-पास से आए करीब आठ हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, जिला संस्कार मंच के जितेन्द्र तिवारी, पंडित उमेश दुबे, ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश शर्मा, सुनील चौकसे, यश अग्रवाल, रामू सोनी, पंकज झंवर, ह्रदेश राठौर आदि ने कन्याओं को चुनरी भेंट की। भंडारे का आयोजन सभी के सहयोग से किया गया था, वहीं देर रात्रि को महा अष्टमी के पावन अवसर पर हर साल की तरह महानिशा आरती का आयोजन भी किया गया था। अब शनिवार को देवी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

व्यवस्थापक रोहित मेवाड़ा ने बताया कि मरीह माता मंदिर वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है, मंदिर परिसर में हर नवरात्रि पर पूजा अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि साल में चार नवरात्रि पर कन्याओं की पूजन की जाती है और भंडारे का आयोजन दो नवरात्रि चैत्र और शरदीय पर होता है। करीब 150 साल से यहां पर पूजा अर्चना का क्रम जारी है।

मां सिद्धिदात्री अष्ट सिद्धि से युक्त हैं

जिला संस्कार मंच के संयोजक मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि राम नवमी के दिन मां दुर्गा की नौवीं शक्ति मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। नवमी पर नवरात्रि का समापन होता है, मां सिद्धिदात्री अष्ट सिद्धि से युक्त हैं, मान्यता है कि नवरात्रि के आखिरी दिन दुर्गा नवमी पर मां सिद्धिदात्री की पूजा करने वालों समस्त सिद्धियों का ज्ञान प्राप्त होता है, बुद्धि और विवेक में वृद्धि होती है। गंधर्व, किन्नर, नाग, यक्ष, देवी-देवता और मनुष्य सभी इनकी कृपा से सिद्धियों को प्राप्त करते हैं। इस दिन माता की पूजा के बाद हवन, कन्या पूजन किया जाता है और फिर नवरात्रि व्रत का पारण करते हैं। मां भक्तों को हर प्रकार की सिद्धि प्रदान करती हैं। उनको मां दुर्गा की 9 वीं शक्ति माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो भी पूरी विधि से उनकी साधना करता है उसे पूर्ण सृष्टि का ज्ञान प्राप्त होता है और उसमें ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त करने की क्षमता आ जाती है। देवी सिद्धिदात्री का वाहन सिंह है। वह कमल पुष्प पर भी आसीन होती हैं।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश नवीनीकरण के लिए 28 मार्च तक खुला रहेगा प्रवेश पोर्टल

सीहोर (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों के व्यापक शैक्षणिक हितों एवं भविष्य की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए, स्नातक (द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष) तथा स्नातकोत्तर (तृतीय सेमेस्टर) के परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश नवीनीकरण (Admission Renewal) के लिए विशेष अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा डॉ दिवा मिश्रा ने बताया कि यह विशेष सुविधा उन विद्यार्थियों के लिए प्रदान की गई है, जो प्रवेश नवीनीकरण के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत पूरक परीक्षा परिणामों की घोषणा के कारण नियत समय-सीमा में अपनी प्रवेश औपचारिकताएं पूर्ण करने से वंचित रह गए थे। प्रवेश पोर्टल को 28 मार्च 2026 तक सक्रिय (Activate) किया जा रहा है। संबंधित विद्यार्थी, इस विस्तारित अवधि का लाभ उठाकर अपने प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत राहगीरों के लिए स्थापित की गई प्याऊ

पेड़ों और जल स्त्रोतों की पूजा कर दिया जल एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश

सीहोर (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम बिलकिसगंज, बमुलिया, दोराहा, बिजलोन, बड़नगर, भंडेली एवं चरनाल में जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वृक्ष एवं जल स्त्रोतों का पूजन कर जल एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया और ग्रामवासियों को जल और प्रकृति के संरक्षण के प्रेरित किया गया। ब्लॉक समन्वयक प्रदीप सिंह सेंगर ने बताया कि इस अवसर पर ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए राहगीरों के ग्राम भंडेली और बमुलिया में चार स्थानों पर जल मंदिर (प्याऊ) भी स्थापित की गई।

महायज्ञ का ध्वजारोहण और यज्ञ शाला का भूमि पूजन

सीहोर (निप्र)। शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नरसिंह लक्ष्मी मंदिर में शुक्रवार को सुबह नौ बजे श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का ध्वजारोहण एवं यज्ञशाला का भूमि पूजन किया गया। इस मौके पर संत माधव दास महाराज, श्रीमती नमिता अखिलेश राय और पंडित कुणाल व्यास ने आगामी दिनों में होने वाले पंच कुंडी यज्ञ का भूमि पूजन के साथ मंदिर परिसर के समीप विशाल क्षेत्र में ध्वजारोहण किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंडित कुणाल व्यास ने बताया कि संत माधव दास महाराज श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर के मार्गदर्शन में आगामी दिनों में होने वाले श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की तैयारियां शुरू हो गई है। महायज्ञ के लिए शुक्रवार की सुबह नौ बजे शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नरसिंह लक्ष्मी मंदिर में पूर्ण विधि-विधान से ध्वजारोहण एवं यज्ञशाला का भूमि पूजन का भव्य आयोजन किया गया। यहां पर सुबह से भगवान नरसिंह का विशेष अभिषेक के पश्चात मंदिर परिसर में भगवान शंकर और हनुमान जी की पूजा अर्चना की।

पंडित श्री व्यास ने बताया कि शुक्रवार को भूमि पूजन के साथ मंदिर परिसर में ध्वजारोहण का दिव्य अनुष्ठान रामनवमी के पावन अवसर पर किया गया है। इस मौके पर सभी क्षेत्रवासी शामिल थे।

सीहोर में 28 मार्च को आयोजित होगा मेगा शिविर

सीहोर (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 28 मार्च को सीहोर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान में प्रात 10:30 बजे से मेगा लीगल आउटरीच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा। इस मेगा शिविर की मुख्य थीम मानसिक स्वास्थ्य एवं दिव्यांगजनों पर केन्द्रित होगी। शिविर में जिले के राजस्व विभाग, पुलिस, सामाजिक न्याय विभाग, जनपद पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे और दिव्यांगजनों एवं नागरिकों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायता उपकरण भी प्रदान किए जाएंगे।

समर्थन मूल्य पर विक्रय के लिए गेहूं के अवैध परिवहन की रोकथाम के कलेक्टर ने दिए आदेश

जिले में 01 अप्रैल से प्रारंभ होगा गेहूं का उपार्जन

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य 01 अप्रैल से 05 मई तक किया जाएगा। उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी जिलों से उपार्जन केन्द्रों पर विक्रय के लिए लाई जाने वाली उपज के अवैध परिवहन एवं बिक्री की रोकथाम के लिए कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के सभी अनुभागों के एसडीएम और तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत बाहर से गेहूं के अवैध परिवहन पर निगरानी बनाए रखने और इसे रोकने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने आदेश दिए हैं कि मंडी एवं उप मंडी में गेहूं की आवक व विक्रय पर निगरानी रखे और अवैध परिवहन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करें।

नाप तौल उपकरणों एवं धर्मकांटों का सत्यापन एवं प्रमाणीकरण सुनिश्चित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य 01 अप्रैल से 05 मई तक किया जाएगा। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों, विपणन समितियों, विगत वर्ष उपार्जन कार्य करने वाले स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठनों, कृषि उपज मंडियों, उपमंडियों, उपार्जन केन्द्रों एवं भण्डारण केन्द्रों के नाप तौल उपकरणों एवं धर्मकांटों का सत्यापन एवं प्रमाणीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने उपार्जन कार्य प्रारंभ होने से पहले धर्मकांटों का कैलिब्रेशन कर सीपीयू सील करने के भी निर्देश दिए हैं।

खतरनाक उद्योगों में बाल श्रम पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन पर शून्य रेटिंग

सीहोर (निप्र)। प्रदेश में 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में नियोजन पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया गया है। सहायक श्रम आयुक्त सुश्री राखी जोशी ने बताया है कि श्रम स्टार रेटिंग के अंतर्गत यदि किसी संस्थान में बाल श्रम अथवा बंधक श्रम पाया जाता है, तो जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उस संस्थान को शून्य अंक दिए जाएंगे। इस संबंध में मध्यप्रदेश के सभी श्रम अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिन संस्थानों में बाल या बंधुआ श्रमिक नियोजित नहीं हैं, उन्हें अन्य मापदंडों में कुछ कमी होने के बावजूद श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वेदा पहल के तहत बाल श्रम उन्मूलन और सतत निगरानी बाल श्रम उन्मूलन के लिए श्रम विभाग द्वारा वेदा पहल के अंतर्गत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत प्रत्येक शुक्रवार को नियमित समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है और अभियोजन मामलों की कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

साथ ही, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 (टोल-फ्री, 24/7) पर प्राप्त शिकायतों की भी निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। बाल एवं बंधक श्रम पर सख्त दंड का प्रावधान सहायक श्रम आयुक्त, श्रमायुक्त कार्यालय इंदौर से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानूनी प्रावधानों के तहत बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत दोषी पाए जाने पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक जुर्माना और 6 माह से 2 वर्ष तक कारावास की सजा का प्रावधान है। वहीं, बंधक श्रम पद्धति (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत अधिकतम 3 वर्ष कारावास या 2 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। बंधक श्रमिकों के पुनर्वास के लिए केंद्र प्रवर्तित योजना 2021 के तहत वयस्क पुरुष श्रमिकों को 1 लाख रुपये, महिला श्रमिकों और अनाथ बच्चों को 2 लाख रुपये तथा शारीरिक शोषण या मानव तस्करी के पीड़ितों को 3 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा प्रत्येक जिले में पुनर्वास के लिए कार्पस फंड का भी गठन किया गया है।

28 मार्च को किया जाएगा विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 28 मार्च (शनिवार) को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नर्मदापुरम द्वारा वृहद विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सुबह 10:30 बजे किया जाएगा। जिसका उद्देश्य आम जनता विशेषकर कमजोर वर्गों को उनके कानूनी अधिकारों, मुक्त कानूनी सेवाओं की उपलब्धता एवं विभिन्न नालसा की योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाकर शासन की विभिन्न योजनाओ का लाभ प्रदान करना है। उक्त शिविर में श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, इत्यादि द्वारा स्टॉल लगाकर विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारी व श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, पात्र व्यक्तियों के लिए आयुष्मान कार्ड, नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण इत्यादि सुविधाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

कुबेरेश्वरधाम पर मनाया गया भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव

उत्साह के साथ की भगवान श्रीराम की आरती और 501 कन्याओं का पूजन

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में चैत्र नवरात्र के आखिरी दिन राम नवमी पर धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इस मौके पर भगवान श्रीराम और

बाबा का पूजन ढोल-नगाडों के साथ अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने किया और उसके बाद यहां पर आने वाले करीब 501 कन्याओं को भोजन प्रसादी कराई और दिन भर यहां पर भंडारे का आयोजन किया गया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने नवरात्रि के पावन अवसर पर कन्या पूजन का विशेष संदेश दिया है और स्वयं भी कन्याओं का पूजन किया। उन्होंने नवमी पर कन्याओं के चरण धोकर, तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर और भोजन खीर-पूरी कराकर माता रानी स्वरूप उनका आशीर्वाद लिया, साथ ही घर में बेटी के जन्म का महत्व भी समझाया।

सुबह से ही कुबेरेश्वरधाम पर घंटियों और शंख की गूंज सुनाई दी। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने व्यास पीठ का आशीर्वाद किया। सुबह यहां पर जारी यज्ञ का समापन भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा के सानिध्य में करीब आधा दर्जन से अधिक पंडितों की उपस्थिति में विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, समीर शुक्ला, आशीष वर्मा, मनोज दीक्षित मामा, आकाश शर्मा, यश अग्रवाल, सौभाग्य मिश्रा, रविन्द्र नायक, कुणाल गोस्वामी, बंटी परिहार आदि शामिल थे।

शुक्रवार की सुबह भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा सहित अन्य श्रद्धालुओं ने आस-पास से आने वाली करीब 501 से अधिक कन्याओं का पूजन कर भोग लगाया। चैत्र नवरात्र की नवमी का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है, क्योंकि इसी दिन मर्याद पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को राम-नवमी कहा जाता है और इस दिन भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है।

बिजली विभाग द्वारा वसूली के नाम पर किसानों की गाडिया, ट्रेक्टर छीन लेने की घटना प्रभारी मंत्री के संज्ञान में ना होना बड़ा दुखद : राजीव गुजराती

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने बयान जारी कर बताया कि सीहोर में बिजली विभाग द्वारा हिटलरशाही रवैया अपनाते हुए किसानों के ट्रैक्टर, गाडियां घरों से उठाई जा रही हैं, कुर्की की कार्रवाई हो रही है और जिले की प्रभारी मंत्री को इसकी जानकारी ही नहीं। गुरुवार को मण्डी नवीन सब स्टेशन का उद्घाटन करने आई सीहोर जिला प्रभारी श्रीमती कृष्णा गौर के द्वारा जब पत्रकार बन्धुओं द्वारा पुछा गया कि बिजली विभाग द्वारा किसानों के ट्रैक्टर, गाडियां घरों से उठाई जा रही हैं, कुर्की की कार्रवाई हो रही है, तब प्रभारी मंत्री ने अनभिज्ञता जाहीर करते हुए कहा कि मेरे संज्ञान में नही मैं जिला प्रशासन इस मामले की जानकारी लेती हूं। इस पर श्री गुजराती ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बिजली विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही की जानकारी 72 घण्टों से मीडिया व सौशल मीडिया पर आ रही है और हैरानी की बात है कि प्रभारी मंत्री को इसकी कोई जानकारी तक नही है। जबकि उनके पीछे कलेक्टर महोदय और भाजपा के जनप्रतिनिधि खड़े हुए है, फिर भी इतना बड़ा मामला संज्ञान में न होना सच में अफ़सोसजनक और शर्मनाक है। अफसोस की बात तो यह है कि वर्तमान में किसान अपनी फसल कटाई मैं लगा हुआ है, ऐसी स्थिति में किसान कहाँ से बिजली विभाग का बकाया बिल जमा कर पायेगा।

ग्राम राम खेड़ी में गेहूं की फसल में लगी अचानक भीषण आगजनी से 15 एकड़ की गेहूं की फसल जलकर हुई खाक

सीहोर (निप्र)। ग्राम राम खेड़ी में गेहूं की फसल में लगी अचानक भीषण आगजनी से 15 एकड़ की गेहूं की फसल जलकर हुई खाक दुखी किसान परेशान किसानों ने सरकार से लगे राहत राशि एवं बीमा राशि देने की मांग किसान व समाजसेवी एमएस मेवाड़ा को ग्राम राम खेड़ी के किसानों ने बताया कि हमारे लगभग की गेहूं की फसल में आगजनी से नष्ट हो गई जलकर खाक हो गई जिनमें किसान कुबेर सिंह मेवाडा 3:30 एकड़ भूमि एवं किसान दिलीप सिंह 3:30 एकड़ भूमि एवं गोपाल सिंह में बड़ा किसान दो एकड़ भूमि धर्मेंद्र किसान की एक एकड़ भूमि किसान अरविंद मेवाड़ा 1 एकड़ भूमि किसान बाबूलाल की दो एकड़ भूमि ऐसे लोग किसानों के लगभग 15 एकड़ भूमि की भूमि में गेहूं की फसल खड़ी थी जिसमें अचानक अज्ञात कारण से आग लगने से गेहूं की फसल पूरी जलकर नष्ट हो गई इस मौके पर सभी किसानों ने दूरभाष पर कृषि अधिकारी श्री देवड़ा जी से चर्चा की तो श्री देवड़ा ने किसान व समाजसेवी एमएस मेवाड़ा को बताया कि की गेहूं की फसल में अचानक आग लगने से इन किसानों को बीमा राशि देने का नियम नहीं है आप तहसील जाइए तहसील से राहत राशि मिलेगी इस बात को दुखी होकर के किसानों ने खेत में जली हुई फसल में प्रदर्शन का नारे लगाते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एवं क्षेत्र के सांसद व केंद्र कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी से मांग करिए कि हम किसानों की गेहूं की फसल में अज्ञात कारण से यदि आग लगती है तो राहत राशि तो मिल जाती है लेकिन हम किसानों की बीमा राशि क्यों नहीं मिलती जबकि हर फसल का बीमा बैंक ऑटोमेटिक काट लेती है लेकिन आग लगने के बीमा नहीं मिलता है तो किसानों ने मांग की है कि आग लगने का भी नियम कानून बनाया जाए और उसका भी बीमा राशि मिलना चाहिए राहत राशि तो तहसील से मिलती है लेकिन वह भी ऊंट के मुंह में जरा मिलती है 32000 हेक्टर किसानों को राहत राशि तहसील से मिलती है जबकि एक हेक्टर में किस का लगभग डेढ़ लाख रुपए की फसल निकलती है मां के चलो एक एकड़ में से 30 कुंतल गेहूं निकालता है तो 70000 का बनता है जिसकी राहत राशि मंत्र किस को 12 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मिलती है जबकि प्रति एकड़ में नुकसान किस का 70000 हो जाता है इस मौके पर किसानों ने सरकार सेवा केंद्र सरकार से मांग करिए किसी और जिले में इस वर्ष धड़कनों गांव में आप जानी से गेहूं की फसल नष्ट हो गई है जिसको किसानों को राहत राशि तो मिलेगी लेकिन बीमा मिलने की उम्मीद बिल्कुल नहीं है इस बात को दुखी होकर किसानों ने खेत में जोरदार नारे लगाकर प्रदर्शन कर क्या हम किसानों के आप जाने की फसल का बीमा राशि भी दिलाया जाए इस मौके पर किसान व समाजसेवी एमएस मेवाड़ा ने सरकार से मांग की है कि सही जगह यह सुनने को मिलता है कि विद्युत लाइट से फाल्ट होने से लाइन के तार झूलने से ट्रांसफार्मर में दाल बेचने से फास्ट होने से किसानों की फसलों में आग लग जाती है लेकिन आप यानी जो बिजली से आग लगती है उसकी राहत राशि नहीं मिलती है तो किसानों ने यह भी मांग की सरकार से कैरियर विद्युत मंडल के लापरवाही तार के कारण यदि आग लगती है तो उसकी भी किसानों को तहसील से आरबीसी 6 एवं 4 के अंतर्गत राहत राशि दिलाए मिलना चाहिए ।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com